Name: SAMPLE, DOB: 11:12:1974

TOB: 05:02:00, PLACE: bhavanipuram (India)

ज्योतिष सारिणी

मुख्य विवरण

जन्म दिनाकं	11:12:1974(बुधवार)
जन्म समय	05:02:00
जन्म स्थान	bhavanipuram
अक्षांश	016:31:00N
रेखांश	080:34:00E
यु./ग्रीष्म समय संस्कार	-00:00
जी. एम. टी. समय	023:32:00
स्थानीय समय	004:54:15 hrs
सांपातिक काल	010:11:29 hrs
स्थानीय समय संस्कार	-000:07:44
अयनांश	N.C.Lahiri(023:30:25)
सूर्योदय	06:28:52AM
सूर्यास्त	05:33:11PM
विक्रम संवत	2031
शक संवत	1896
संवत्सर	आनन्द
संवत्सर अधिपति	इन्द्राग्नि

घात चक्र

राशि (सूर्य)	कुम्भ
मास	फाल्गुन
तिथि	5,10,15
वार	शुक्रवार
नक्षत्र	अश्लेषा
प्रहर	4
लग्न	सिहं
सूर्य सिद्धान्त योग	वज्र
करण	चतुश्पद

अवकहड़ा चक्र

लग्न	वृश्चिक
लग्नाधिपति	मंगल
राशि (चन्द्रमा)	तुला
राशिपति	शुक्र
नक्षत्र	विशाखा
नक्षत्रपति	बृहस्पति
नक्षत्र चरण	1
ऋतु	बसन्त
मास	चैत्र
पक्ष	कृष्ण
तिथि	त्रयोदशी
तिथि श्रेणी	जया
तिथि पति	बृहस्पति
करण	गरिज
करण श्रेणी	चर
करणपति	वासुदेव
गण	राक्षस
योनि	हस्त (स्त्री)
वर्ण	शुद्र
सूर्य सिद्धान्त योग	अतिगण्ड
रज्जु	नाभि
वश्य	द्विपद
तत्व	अग्नि
विहग	वायस
तत्वाधिपति	मंगल
नाड़ी	अन्त
नाड़ी पद	आदि
वेध	कृतिका
आद्याक्षर	Thi
पाया	लौह

ग्रहों की स्थिति (लाल किताब)

लग्न कुण्डली

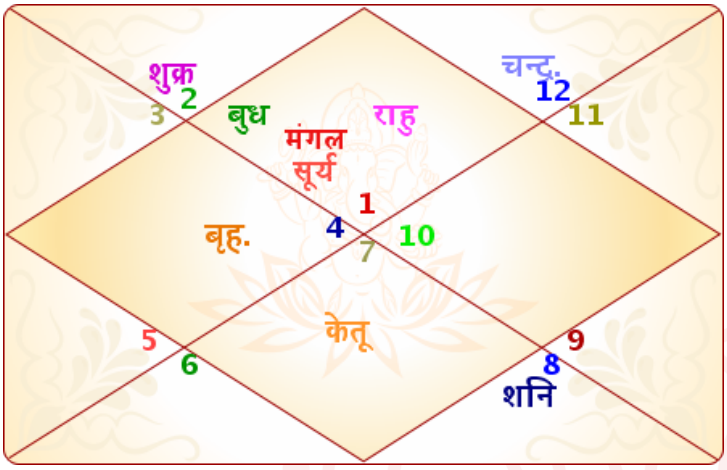

चन्द्र कुण्डली

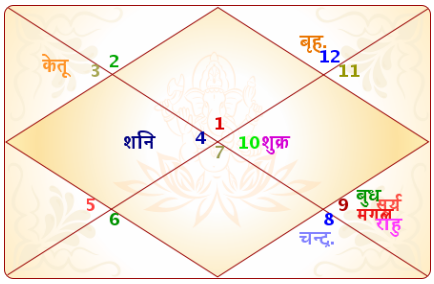

संसोधित कुण्डली

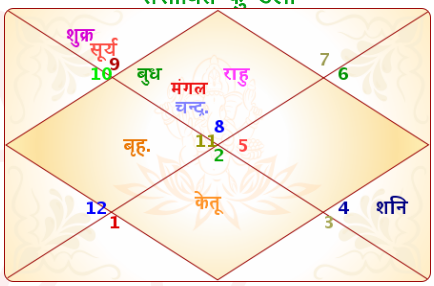

लाल किताब कुण्डली में ग्रहों की स्थिति

ग्रह	भाव	भावेश	प्रभाव	पक्का घर	भाग्यशाली	साथी ग्रह	कायम	धर्मी	सोया	विशेष
सूर्य	1	5	ग्रह	हाँ						शुभ भाव
चन्द्रमा	12	4	राशि						हाँ	अशुभ भाव
मंगल	1	1, 8	ग्रह		हाँ					शुभ भाव
बुध	1	3, 6	राशि				हाँ			शुभ भाव
बृहस्पति	4	9, 12	ग्रह				हाँ		हाँ	शुभ भाव
शुक्र	2	2, 7	ग्रह				हाँ		हाँ	शुभ भाव
शनि	8	10, 11	ग्रह	हाँ			हाँ			शुभ भाव
राहु	1		राशि							अशुभ भाव
केतु	7		राशि						हाँ	अशुभ भाव

लाल किताब कुण्डली से भाव स्थिति

भाव	भावस्थ ग्रह	मालिक	पक्का घर	सोया	उच्च	नीच	भाग्य उत्प्रेरक
1	सूर्य, मंगल, बुध, राहु	मंगल	सूर्य		सूर्य	शनि	मंगल
2	शुक	शुक	बृहस्पति		चन्द्रमा		चन्द्रमा
3		बुध	मंगल	हाँ	राहु	केतु	बुध
4	बृहस्पति	चन्द्रमा	चन्द्रमा		बृहस्पति	मंगल	चन्द्रमा
5		सूर्य	बृहस्पति	हाँ			सूर्य
6		बुध	बुध,केतु		बुध,राहु	शुक,केतु	केतु
7	केतु	शुक	शुक,बुध		शनि		शुक
8	शनि	मंगल	मंगल,शनि			चन्द्रमा	चन्द्रमा
9		बृहस्पति	बृहस्पति	हाँ	केतु	राहु	शनि
10		शनि	शनि		मंगल	बृहस्पति	शनि
11		शनि	शनि	हाँ			बृहस्पति
12	चन्द्रमा	बृहस्पति	बृहस्पति		शुक,केतु	बुध,राहु	राहु

षोडश वर्ग कुण्डली

होरा कुण्डली

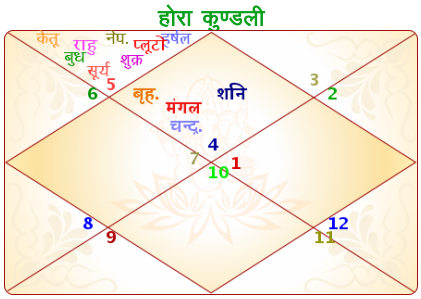

धन दौलत के लिए

द्रेष्काण कुण्डली

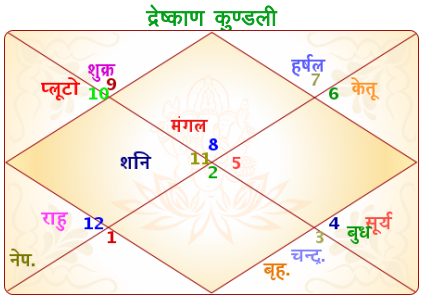

सहोदरों का जीवन और स्वास्थ्य

चतुर्थांश कुण्डली

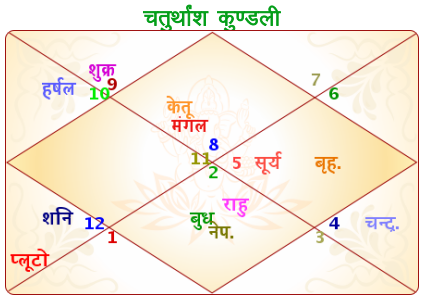

भाग्य और रिहायशी मकान

सप्तमांश कुण्डली

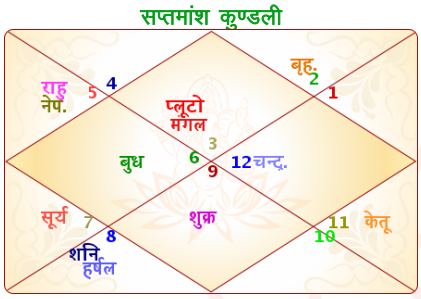

संतान और उनकी संतान

नवांश कुण्डली

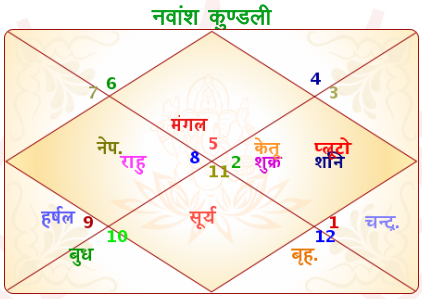

जीवनसाथी और उनका स्वास्थ्य

दसमांश कुण्डली

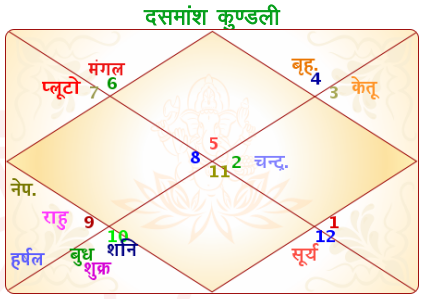

कारोबार और किसी भी कार्य में सफलता

द्वादशांश कुण्डली

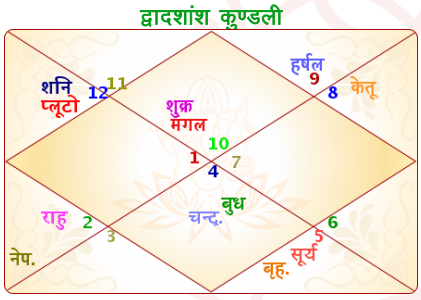

माता पिता का जीवन और उनका स्वास्थ्य

षोडशांश कुण्डली

वाहन से संबंधित बातें

विशांश कुण्डली

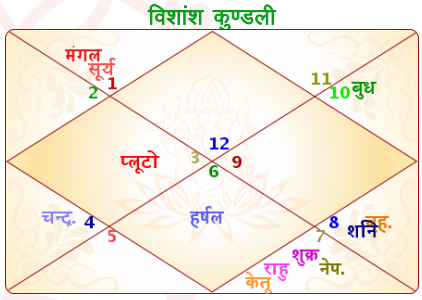

आध्यात्मिक रूझान

चर्तुविशांश कुण्डली

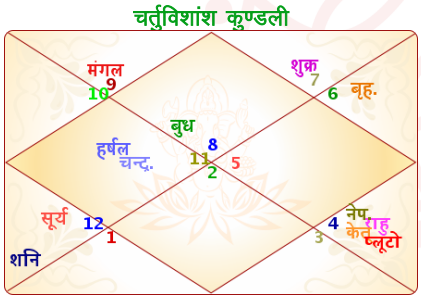

शिक्षा, ज्ञान और समझ

सप्तविशांश कुण्डली

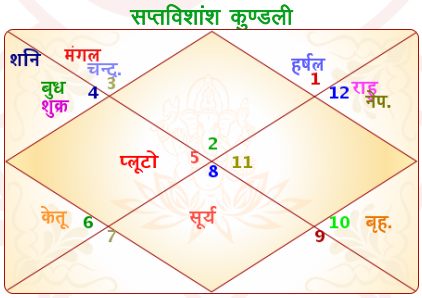

ताकत और दुर्बलता

त्रिशांश कुण्डली

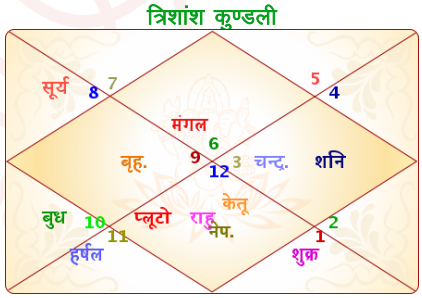

दरिद्रता, कठिनाईयाँ और दुर्गति

खवेदांश कुण्डली

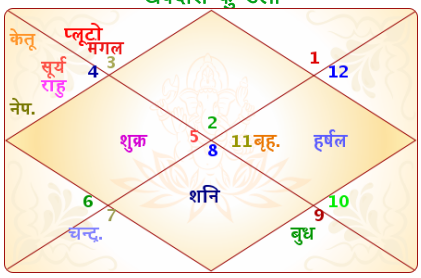

शुभ अशुभ घटनाँए

अक्षवेदांश कुण्डली

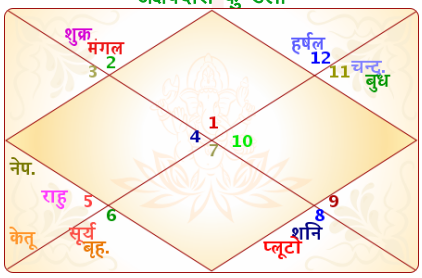

सभी मुद्दों के लिए

षष्टांश कुण्डली

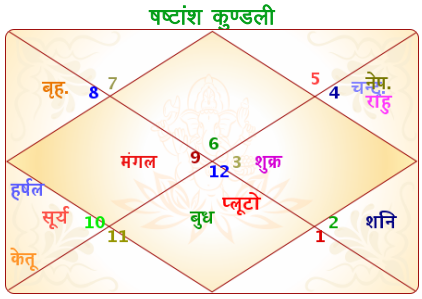

सभी मुद्दों के लिए

विंशोत्तरी दशा

जन्म के समय विंशोत्तरी भोग्य दशा (अयनाश : 023:30:25) चन्द्रमा 12.0 व.7.0 म.19 द.

क्र0 स0	ग्रह दशा	अवधि	से
1	बृहस्पति	12.0 y.7.0 m.19 d.	11:12:1974
2	शनि	19.0 y.0.0 m.0 d.	30:07:1987
3	बुध	17.0 y.0.0 m.0 d.	30:07:2006
4	केतु	7.0 y.0.0 m.0 d.	30:07:2023
5	शुक्र	20.0 y.0.0 m.0 d.	30:07:2030
6	सूर्य	6.0 y.0.0 m.0 d.	30:07:2050
7	चन्द्रमा	10.0 y.0.0 m.0 d.	30:07:2056
8	मंगल	7.0 y.0.0 m.0 d.	30:07:2066
9	राहु	18.0 y.0.0 m.0 d.	30:07:2073

बृहस्पति दशा

अन्तर्दशा	से
बृहस्पति	
शनि	11:12:1974
बुध	30:03:1976
केतु	06:07:1978
शुक्र	12:06:1979
सूर्य	10:02:1982
चन्द्रमा	29:11:1982
मंगल	30:03:1984
राहु	06:03:1985

शनि दशा

अन्तर्दशा	से
शनि	30:07:1987
बुध	02:08:1990
केतु	12:04:1993
शुक्र	21:05:1994
सूर्य	21:07:1997
चन्द्रमा	03:07:1998
मंगल	01:02:2000
राहु	12:03:2001
बृहस्पति	17:01:2004

बुध दशा

अन्तर्दशा	से
बुध	30:07:2006
केतु	26:12:2008
शुक्र	23:12:2009
सूर्य	23:10:2012
चन्द्रमा	30:08:2013
मंगल	29:01:2015
राहु	26:01:2016
बृहस्पति	14:08:2018
शनि	20:11:2020

केतु दशा

अन्तर्दशा	से
केतु	30:07:2023
शुक्र	26:12:2023
सूर्य	25:02:2025
चन्द्रमा	03:07:2025
मंगल	01:02:2026
राहु	30:06:2026
बृहस्पति	18:07:2027
शनि	23:06:2028
बुध	02:08:2029

शुक्र दशा

अन्तर्दशा	से
शुक्र	30:07:2030
सूर्य	29:11:2033
चन्द्रमा	29:11:2034
मंगल	30:07:2036
राहु	29:09:2037
बृहस्पति	29:09:2040
शनि	30:05:2043
बुध	30:07:2046
केतु	30:05:2049

सूर्य दशा

अन्तर्दशा	से
सूर्य	30:07:2050
चन्द्रमा	17:11:2050
मंगल	18:05:2051
राहु	23:09:2051
बृहस्पति	17:08:2052
शनि	05:06:2053
बुध	18:05:2054
केतु	24:03:2055
शुक्र	30:07:2055

चन्द्रमा दशा

अन्तर्दशा	से
चन्द्रमा	30:07:2056
मंगल	30:05:2057
राहु	29:12:2057
बृहस्पति	30:06:2059
शनि	29:10:2060
बुध	30:05:2062
केतु	29:10:2063
शुक्र	30:05:2064
सूर्य	29:01:2066

मंगल दशा

अन्तर्दशा	से
मंगल	30:07:2066
राहु	26:12:2066
बृहस्पति	14:01:2068
शनि	20:12:2068
बुध	29:01:2070
केतु	26:01:2071
शुक्र	24:06:2071
सूर्य	23:08:2072
चन्द्रमा	29:12:2072

राहु दशा

अन्तर्दशा	से
राहु	30:07:2073
बृहस्पति	11:04:2076
शनि	05:09:2078
बुध	12:07:2081
केतु	29:01:2084
शुक्र	16:02:2085
सूर्य	16:02:2088
चन्द्रमा	10:01:2089
मंगल	12:07:2090

बृहस्पति ग्रह दशा

(Start Date: 11:12:1974, End Date: 29:07:1987)

बृहस्पति अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
बृहस्पति	....
शनि	....
बुध	....
केतु	....
शुक्र	....
सूर्य	....
चन्द्रमा	....
मंगल	....
राहु	....

शनि अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
शनि	....
बुध	....
केतु	....
शुक्र	11:12:1974
सूर्य	15:01:1975
चन्द्रमा	03:03:1975
मंगल	19:05:1975
राहु	12:07:1975
बृहस्पति	27:11:1975

बुध अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
बुध	30:03:1976
केतु	25:07:1976
शुक्र	12:09:1976
सूर्य	28:01:1977
चन्द्रमा	10:03:1977
मंगल	18:05:1977
राहु	05:07:1977
बृहस्पति	07:11:1977
शनि	25:02:1978

केतु अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
केतु	06:07:1978
शुक्र	26:07:1978
सूर्य	21:09:1978
चन्द्रमा	08:10:1978
मंगल	05:11:1978
राहु	25:11:1978
बृहस्पति	15:01:1979
शनि	01:03:1979
बुध	24:04:1979

शुक्र अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
शुक्र	12:06:1979
सूर्य	21:11:1979
चन्द्रमा	08:01:1980
मंगल	30:03:1980
राहु	26:05:1980
बृहस्पति	19:10:1980
शनि	26:02:1981
बुध	30:07:1981
केतु	15:12:1981

सूर्य अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
सूर्य	10:02:1982
चन्द्रमा	24:02:1982
मंगल	21:03:1982
राहु	07:04:1982
बृहस्पति	21:05:1982
शनि	29:06:1982
बुध	14:08:1982
केतु	24:09:1982
शुक्र	11:10:1982

चन्द्रमा अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
चन्द्रमा	29:11:1982
मंगल	08:01:1983
राहु	06:02:1983
बृहस्पति	20:04:1983
शनि	24:06:1983
बुध	09:09:1983
केतु	17:11:1983
शुक्र	15:12:1983
सूर्य	05:03:1984

मंगल अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
मंगल	30:03:1984
राहु	19:04:1984
बृहस्पति	09:06:1984
शनि	24:07:1984
बुध	17:09:1984
केतु	04:11:1984
शुक्र	24:11:1984
सूर्य	20:01:1985
चन्द्रमा	06:02:1985

राहु अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
राहु	06:03:1985
बृहस्पति	16:07:1985
शनि	09:11:1985
बुध	28:03:1986
केतु	30:07:1986
शुक्र	19:09:1986
सूर्य	12:02:1987
चन्द्रमा	28:03:1987
मंगल	09:06:1987

शनि ग्रह दशा

(Start Date: 30:07:1987, End Date: 29:07:2006)

शनि अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
शनि	30:07:1987
बुध	20:01:1988
केतु	24:06:1988
शुक्र	27:08:1988
सूर्य	27:02:1989
चन्द्रमा	23:04:1989
मंगल	23:07:1989
राहु	25:09:1989
बृहस्पति	09:03:1990

बुध अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
बुध	02:08:1990
केतु	19:12:1990
शुक्र	15:02:1991
सूर्य	28:07:1991
चन्द्रमा	16:09:1991
मंगल	06:12:1991
राहु	02:02:1992
बृहस्पति	29:06:1992
शनि	07:11:1992

केतु अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
केतु	12:04:1993
शुक्र	05:05:1993
सूर्य	12:07:1993
चन्द्रमा	01:08:1993
मंगल	04:09:1993
राहु	27:09:1993
बृहस्पति	27:11:1993
शनि	20:01:1994
बुध	25:03:1994

शुक्र अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
शुक्र	21:05:1994
सूर्य	30:11:1994
चन्द्रमा	27:01:1995
मंगल	03:05:1995
राहु	09:07:1995
बृहस्पति	30:12:1995
शनि	01:06:1996
बुध	02:12:1996
केतु	15:05:1997

सूर्य अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
सूर्य	21:07:1997
चन्द्रमा	07:08:1997
मंगल	05:09:1997
राहु	26:09:1997
बृहस्पति	17:11:1997
शनि	02:01:1998
बुध	26:02:1998
केतु	16:04:1998
शुक्र	06:05:1998

चन्द्रमा अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
चन्द्रमा	03:07:1998
मंगल	20:08:1998
राहु	23:09:1998
बृहस्पति	18:12:1998
शनि	05:03:1999
बुध	05:06:1999
केतु	26:08:1999
शुक्र	29:09:1999
सूर्य	03:01:2000

मंगल अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
मंगल	01:02:2000
राहु	24:02:2000
बृहस्पति	25:04:2000
शनि	18:06:2000
बुध	22:08:2000
केतु	18:10:2000
शुक्र	11:11:2000
सूर्य	17:01:2001
चन्द्रमा	07:02:2001

राहु अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
राहु	12:03:2001
बृहस्पति	15:08:2001
शनि	01:01:2002
बुध	15:06:2002
केतु	09:11:2002
शुक्र	09:01:2003
सूर्य	01:07:2003
चन्द्रमा	22:08:2003
मंगल	17:11:2003

बृहस्पति अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
बृहस्पति	17:01:2004
शनि	19:05:2004
बुध	13:10:2004
केतु	21:02:2005
शुक्र	16:04:2005
सूर्य	17:09:2005
चन्द्रमा	02:11:2005
मंगल	19:01:2006
राहु	13:03:2006

बुध ग्रह दशा

(Start Date: 30:07:2006, End Date: 29:07:2023)

बुध अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
बुध	30:07:2006
केतु	02:12:2006
शुक्र	22:01:2007
सूर्य	17:06:2007
चन्द्रमा	31:07:2007
मंगल	13:10:2007
राहु	03:12:2007
बृहस्पति	13:04:2008
शनि	09:08:2008

केतु अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
केतु	26:12:2008
शुक्र	16:01:2009
सूर्य	18:03:2009
चन्द्रमा	05:04:2009
मंगल	05:05:2009
राहु	26:05:2009
बृहस्पति	19:07:2009
शनि	06:09:2009
बुध	02:11:2009

शुक्र अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
शुक्र	23:12:2009
सूर्य	14:06:2010
चन्द्रमा	04:08:2010
मंगल	29:10:2010
राहु	29:12:2010
बृहस्पति	02:06:2011
शनि	18:10:2011
बुध	30:03:2012
केतु	24:08:2012

सूर्य अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
सूर्य	23:10:2012
चन्द्रमा	08:11:2012
मंगल	04:12:2012
राहु	22:12:2012
बृहस्पति	06:02:2013
शनि	20:03:2013
बुध	08:05:2013
केतु	21:06:2013
शुक्र	09:07:2013

चन्द्रमा अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
चन्द्रमा	30:08:2013
मंगल	12:10:2013
राहु	11:11:2013
बृहस्पति	27:01:2014
शनि	06:04:2014
बुध	27:06:2014
केतु	08:09:2014
शुक्र	09:10:2014
सूर्य	03:01:2015

मंगल अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
मंगल	29:01:2015
राहु	19:02:2015
बृहस्पति	14:04:2015
शनि	01:06:2015
बुध	29:07:2015
केतु	18:09:2015
शुक्र	09:10:2015
सूर्य	08:12:2015
चन्द्रमा	26:12:2015

राहु अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
राहु	26:01:2016
बृहस्पति	14:06:2016
शनि	16:10:2016
बुध	13:03:2017
केतु	23:07:2017
शुक्र	15:09:2017
सूर्य	17:02:2018
चन्द्रमा	05:04:2018
मंगल	21:06:2018

बृहस्पति अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
बृहस्पति	14:08:2018
शनि	03:12:2018
बुध	13:04:2019
केतु	08:08:2019
शुक्र	25:09:2019
सूर्य	10:02:2020
चन्द्रमा	23:03:2020
मंगल	31:05:2020
राहु	18:07:2020

शनि अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
शनि	20:11:2020
बुध	24:04:2021
केतु	10:09:2021
शुक्र	07:11:2021
सूर्य	20:04:2022
चन्द्रमा	08:06:2022
मंगल	29:08:2022
राहु	25:10:2022
बृहस्पति	21:03:2023

केतु ग्रह दशा

(Start Date: 30:07:2023, End Date: 29:07:2030)

केतु अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
केतु	30:07:2023
शुक्र	08:08:2023
सूर्य	02:09:2023
चन्द्रमा	09:09:2023
मंगल	22:09:2023
राहु	30:09:2023
बृहस्पति	23:10:2023
शनि	12:11:2023
बुध	05:12:2023

शुक्र अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
शुक्र	26:12:2023
सूर्य	06:03:2024
चन्द्रमा	28:03:2024
मंगल	02:05:2024
राहु	27:05:2024
बृहस्पति	30:07:2024
शनि	25:09:2024
बुध	02:12:2024
केतु	31:01:2025

सूर्य अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
सूर्य	25:02:2025
चन्द्रमा	03:03:2025
मंगल	14:03:2025
राहु	22:03:2025
बृहस्पति	10:04:2025
शनि	27:04:2025
बुध	17:05:2025
केतु	04:06:2025
शुक्र	12:06:2025

चन्द्रमा अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
चन्द्रमा	03:07:2025
मंगल	21:07:2025
राहु	02:08:2025
बृहस्पति	03:09:2025
शनि	01:10:2025
बुध	04:11:2025
केतु	04:12:2025
शुक्र	17:12:2025
सूर्य	21:01:2026

मंगल अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
मंगल	01:02:2026
राहु	09:02:2026
बृहस्पति	04:03:2026
शनि	24:03:2026
बुध	16:04:2026
केतु	07:05:2026
शुक्र	16:05:2026
सूर्य	10:06:2026
चन्द्रमा	17:06:2026

राहु अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
राहु	30:06:2026
बृहस्पति	26:08:2026
शनि	16:10:2026
बुध	16:12:2026
केतु	08:02:2027
शुक्र	03:03:2027
सूर्य	06:05:2027
चन्द्रमा	25:05:2027
मंगल	26:06:2027

बृहस्पति अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
बृहस्पति	18:07:2027
शनि	01:09:2027
बुध	25:10:2027
केतु	13:12:2027
शुक्र	02:01:2028
सूर्य	27:02:2028
चन्द्रमा	16:03:2028
मंगल	13:04:2028
राहु	03:05:2028

शनि अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
शनि	23:06:2028
बुध	26:08:2028
केतु	23:10:2028
शुक्र	16:11:2028
सूर्य	22:01:2029
चन्द्रमा	11:02:2029
मंगल	17:03:2029
राहु	10:04:2029
बृहस्पति	09:06:2029

बुध अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
बुध	02:08:2029
केतु	23:09:2029
शुक्र	14:10:2029
सूर्य	13:12:2029
चन्द्रमा	31:12:2029
मंगल	30:01:2030
राहु	20:02:2030
बृहस्पति	16:04:2030
शनि	03:06:2030

शुक्र ग्रह दशा

(Start Date: 30:07:2030, End Date: 29:07:2050)

शुक्र अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
शुक्र	30:07:2030
सूर्य	18:02:2031
चन्द्रमा	20:04:2031
मंगल	30:07:2031
राहु	09:10:2031
बृहस्पति	09:04:2032
शनि	19:09:2032
बुध	31:03:2033
केतु	19:09:2033

सूर्य अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
सूर्य	29:11:2033
चन्द्रमा	17:12:2033
मंगल	17:01:2034
राहु	07:02:2034
बृहस्पति	03:04:2034
शनि	21:05:2034
बुध	18:07:2034
केतु	08:09:2034
शुक्र	29:09:2034

चन्द्रमा अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
चन्द्रमा	29:11:2034
मंगल	19:01:2035
राहु	23:02:2035
बृहस्पति	25:05:2035
शनि	14:08:2035
बुध	19:11:2035
केतु	13:02:2036
शुक्र	20:03:2036
सूर्य	29:06:2036

मंगल अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
मंगल	30:07:2036
राहु	24:08:2036
बृहस्पति	27:10:2036
शनि	23:12:2036
बुध	28:02:2037
केतु	29:04:2037
शुक्र	24:05:2037
सूर्य	03:08:2037
चन्द्रमा	25:08:2037

राहु अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
राहु	29:09:2037
बृहस्पति	12:03:2038
शनि	05:08:2038
बुध	26:01:2039
केतु	30:06:2039
शुक्र	02:09:2039
सूर्य	02:03:2040
चन्द्रमा	26:04:2040
मंगल	27:07:2040

बृहस्पति अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
बृहस्पति	29:09:2040
शनि	06:02:2041
बुध	10:07:2041
केतु	25:11:2041
शुक्र	21:01:2042
सूर्य	02:07:2042
चन्द्रमा	19:08:2042
मंगल	09:11:2042
राहु	04:01:2043

शनि अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
शनि	30:05:2043
बुध	29:11:2043
केतु	11:05:2044
शुक्र	18:07:2044
सूर्य	27:01:2045
चन्द्रमा	26:03:2045
मंगल	30:06:2045
राहु	06:09:2045
बृहस्पति	26:02:2046

बुध अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
बुध	30:07:2046
केतु	24:12:2046
शुक्र	22:02:2047
सूर्य	13:08:2047
चन्द्रमा	04:10:2047
मंगल	29:12:2047
राहु	28:02:2048
बृहस्पति	01:08:2048
शनि	18:12:2048

केतु अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
केतु	30:05:2049
शुक्र	24:06:2049
सूर्य	03:09:2049
चन्द्रमा	24:09:2049
मंगल	30:10:2049
राहु	24:11:2049
बृहस्पति	27:01:2050
शनि	24:03:2050
बुध	31:05:2050

सूर्य ग्रह दशा

(Start Date: 30:07:2050, End Date: 29:07:2056)

सूर्य अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
सूर्य	30:07:2050
चन्द्रमा	05:08:2050
मंगल	14:08:2050
राहु	20:08:2050
बृहस्पति	06:09:2050
शनि	20:09:2050
बुध	08:10:2050
केतु	23:10:2050
शुक्र	29:10:2050

चन्द्रमा अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
चन्द्रमा	17:11:2050
मंगल	02:12:2050
राहु	13:12:2050
बृहस्पति	09:01:2051
शनि	02:02:2051
बुध	03:03:2051
केतु	29:03:2051
शुक्र	09:04:2051
सूर्य	09:05:2051

मंगल अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
मंगल	18:05:2051
राहु	26:05:2051
बृहस्पति	14:06:2051
शनि	01:07:2051
बुध	21:07:2051
केतु	08:08:2051
शुक्र	16:08:2051
सूर्य	06:09:2051
चन्द्रमा	12:09:2051

राहु अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
राहु	23:09:2051
बृहस्पति	11:11:2051
शनि	25:12:2051
बुध	15:02:2052
केतु	02:04:2052
शुक्र	21:04:2052
सूर्य	15:06:2052
चन्द्रमा	01:07:2052
मंगल	29:07:2052

बृहस्पति अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
बृहस्पति	17:08:2052
शनि	25:09:2052
बुध	10:11:2052
केतु	22:12:2052
शुक्र	08:01:2053
सूर्य	26:02:2053
चन्द्रमा	12:03:2053
मंगल	06:04:2053
राहु	23:04:2053

शनि अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
शनि	05:06:2053
बुध	30:07:2053
केतु	17:09:2053
शुक्र	08:10:2053
सूर्य	04:12:2053
चन्द्रमा	22:12:2053
मंगल	20:01:2054
राहु	09:02:2054
बृहस्पति	02:04:2054

बुध अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
बुध	18:05:2054
केतु	01:07:2054
शुक्र	19:07:2054
सूर्य	09:09:2054
चन्द्रमा	24:09:2054
मंगल	20:10:2054
राहु	07:11:2054
बृहस्पति	24:12:2054
शनि	03:02:2055

केतु अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
केतु	24:03:2055
शुक्र	01:04:2055
सूर्य	22:04:2055
चन्द्रमा	29:04:2055
मंगल	09:05:2055
राहु	17:05:2055
बृहस्पति	05:06:2055
शनि	22:06:2055
बुध	12:07:2055

शुक्र अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
शुक्र	30:07:2055
सूर्य	29:09:2055
चन्द्रमा	17:10:2055
मंगल	17:11:2055
राहु	08:12:2055
बृहस्पति	01:02:2056
शनि	21:03:2056
बुध	18:05:2056
केतु	08:07:2056

चन्द्रमा ग्रह दशा

(Start Date: 30:07:2056, End Date: 29:07:2066)

चन्द्रमा अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
चन्द्रमा	30:07:2056
मंगल	24:08:2056
राहु	11:09:2056
बृहस्पति	27:10:2056
शनि	06:12:2056
बुध	24:01:2057
केतु	08:03:2057
शुक्र	25:03:2057
सूर्य	15:05:2057

मंगल अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
मंगल	30:05:2057
राहु	12:06:2057
बृहस्पति	14:07:2057
शनि	11:08:2057
बुध	14:09:2057
केतु	14:10:2057
शुक्र	26:10:2057
सूर्य	01:12:2057
चन्द्रमा	12:12:2057

राहु अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
राहु	29:12:2057
बृहस्पति	21:03:2058
शनि	02:06:2058
बुध	28:08:2058
केतु	14:11:2058
शुक्र	16:12:2058
सूर्य	17:03:2059
चन्द्रमा	13:04:2059
मंगल	29:05:2059

बृहस्पति अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
बृहस्पति	30:06:2059
शनि	03:09:2059
बुध	19:11:2059
केतु	27:01:2060
शुक्र	24:02:2060
सूर्य	16:05:2060
चन्द्रमा	09:06:2060
मंगल	20:07:2060
राहु	17:08:2060

शनि अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
शनि	29:10:2060
बुध	29:01:2061
केतु	21:04:2061
शुक्र	25:05:2061
सूर्य	29:08:2061
चन्द्रमा	27:09:2061
मंगल	14:11:2061
राहु	18:12:2061
बृहस्पति	14:03:2062

बुध अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
बुध	30:05:2062
केतु	12:08:2062
शुक्र	11:09:2062
सूर्य	06:12:2062
चन्द्रमा	01:01:2063
मंगल	13:02:2063
राहु	15:03:2063
बृहस्पति	01:06:2063
शनि	09:08:2063

केतु अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
केतु	29:10:2063
शुक्र	11:11:2063
सूर्य	16:12:2063
चन्द्रमा	27:12:2063
मंगल	14:01:2064
राहु	26:01:2064
बृहस्पति	27:02:2064
शनि	27:03:2064
बुध	30:04:2064

शुक्र अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
शुक्र	30:05:2064
सूर्य	08:09:2064
चन्द्रमा	09:10:2064
मंगल	29:11:2064
राहु	03:01:2065
बृहस्पति	05:04:2065
शनि	25:06:2065
बुध	29:09:2065
केतु	24:12:2065

सूर्य अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
सूर्य	29:01:2066
चन्द्रमा	07:02:2066
मंगल	22:02:2066
राहु	05:03:2066
बृहस्पति	01:04:2066
शनि	25:04:2066
बुध	24:05:2066
केतु	19:06:2066
शुक्र	30:06:2066

मंगल ग्रह दशा

(Start Date: 30:07:2066, End Date: 29:07:2073)

मंगल अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
मंगल	30:07:2066
राहु	08:08:2066
बृहस्पति	30:08:2066
शनि	19:09:2066
बुध	13:10:2066
केतु	03:11:2066
शुक्र	12:11:2066
सूर्य	06:12:2066
चन्द्रमा	14:12:2066

राहु अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
राहु	26:12:2066
बृहस्पति	22:02:2067
शनि	14:04:2067
बुध	13:06:2067
केतु	07:08:2067
शुक्र	29:08:2067
सूर्य	01:11:2067
चन्द्रमा	20:11:2067
मंगल	22:12:2067

बृहस्पति अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
बृहस्पति	14:01:2068
शनि	28:02:2068
बुध	22:04:2068
केतु	10:06:2068
शुक्र	29:06:2068
सूर्य	25:08:2068
चन्द्रमा	11:09:2068
मंगल	10:10:2068
राहु	30:10:2068

शनि अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
शनि	20:12:2068
बुध	22:02:2069
केतु	21:04:2069
शुक्र	14:05:2069
सूर्य	21:07:2069
चन्द्रमा	10:08:2069
मंगल	12:09:2069
राहु	06:10:2069
बृहस्पति	06:12:2069

बुध अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
बुध	29:01:2070
केतु	21:03:2070
शुक्र	11:04:2070
सूर्य	10:06:2070
चन्द्रमा	28:06:2070
मंगल	29:07:2070
राहु	19:08:2070
बृहस्पति	12:10:2070
शनि	29:11:2070

केतु अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
केतु	26:01:2071
शुक्र	03:02:2071
सूर्य	28:02:2071
चन्द्रमा	08:03:2071
मंगल	20:03:2071
राहु	29:03:2071
बृहस्पति	20:04:2071
शनि	10:05:2071
बुध	03:06:2071

शुक्र अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
शुक्र	24:06:2071
सूर्य	03:09:2071
चन्द्रमा	24:09:2071
मंगल	29:10:2071
राहु	23:11:2071
बृहस्पति	26:01:2072
शनि	23:03:2072
बुध	30:05:2072
केतु	29:07:2072

सूर्य अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
सूर्य	23:08:2072
चन्द्रमा	30:08:2072
मंगल	09:09:2072
राहु	17:09:2072
बृहस्पति	06:10:2072
शनि	23:10:2072
बुध	12:11:2072
केतु	30:11:2072
शुक्र	08:12:2072

चन्द्रमा अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
चन्द्रमा	29:12:2072
मंगल	16:01:2073
राहु	28:01:2073
बृहस्पति	01:03:2073
शनि	30:03:2073
बुध	02:05:2073
केतु	02:06:2073
शुक्र	14:06:2073
सूर्य	20:07:2073

राहु ग्रह दशा

(Start Date: 30:07:2073, End Date: 29:07:2091)

राहु अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
राहु	30:07:2073
बृहस्पति	25:12:2073
शनि	05:05:2074
बुध	08:10:2074
केतु	25:02:2075
शुक्र	24:04:2075
सूर्य	05:10:2075
चन्द्रमा	23:11:2075
मंगल	13:02:2076

बृहस्पति अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
बृहस्पति	11:04:2076
शनि	06:08:2076
बुध	23:12:2076
केतु	26:04:2077
शुक्र	16:06:2077
सूर्य	09:11:2077
चन्द्रमा	23:12:2077
मंगल	06:03:2078
राहु	26:04:2078

शनि अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
शनि	05:09:2078
बुध	16:02:2079
केतु	14:07:2079
शुक्र	12:09:2079
सूर्य	04:03:2080
चन्द्रमा	25:04:2080
मंगल	21:07:2080
राहु	20:09:2080
बृहस्पति	23:02:2081

बुध अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
बुध	12:07:2081
केतु	21:11:2081
शुक्र	14:01:2082
सूर्य	18:06:2082
चन्द्रमा	04:08:2082
मंगल	20:10:2082
राहु	14:12:2082
बृहस्पति	02:05:2083
शनि	03:09:2083

केतु अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
केतु	29:01:2084
शुक्र	20:02:2084
सूर्य	24:04:2084
चन्द्रमा	13:05:2084
मंगल	14:06:2084
राहु	07:07:2084
बृहस्पति	03:09:2084
शनि	24:10:2084
बुध	24:12:2084

शुक्र अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
शुक्र	16:02:2085
सूर्य	17:08:2085
चन्द्रमा	11:10:2085
मंगल	10:01:2086
राहु	15:03:2086
बृहस्पति	27:08:2086
शनि	20:01:2087
बुध	12:07:2087
केतु	14:12:2087

सूर्य अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
सूर्य	16:02:2088
चन्द्रमा	04:03:2088
मंगल	31:03:2088
राहु	19:04:2088
बृहस्पति	08:06:2088
शनि	22:07:2088
बुध	12:09:2088
केतु	28:10:2088
शुक्र	17:11:2088

चन्द्रमा अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
चन्द्रमा	10:01:2089
मंगल	25:02:2089
राहु	29:03:2089
बृहस्पति	19:06:2089
शनि	31:08:2089
बुध	26:11:2089
केतु	11:02:2090
शुक्र	15:03:2090
सूर्य	15:06:2090

मंगल अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
मंगल	12:07:2090
राहु	03:08:2090
बृहस्पति	30:09:2090
शनि	20:11:2090
बुध	20:01:2091
केतु	15:03:2091
शुक्र	06:04:2091
सूर्य	09:06:2091
चन्द्रमा	28:06:2091

महत्वपूर्ण जानकारी (लाल किताब)

अन्धे ग्रहों की कुण्डली

लाल किताब के अनुसार, यदि किसी कुण्डली के दसवें भाव में दो आपस में शत्रु ग्रह में बैठ जायें, तो ऐसी कुण्डली को अंधे ग्रहों की कुण्डली (टेवा) कहते हैं। कुण्डली में दसवां भाव जातक का कर्म स्थान है, इस घर का जातक की कमाई से संबद्ध है, इसलिए ऐसे भाव में दो या दो से अधिक परस्पर शत्रुता वाले ग्रह बैठ जायें तो, जातक के कर्मक्षेत्र में असंतुलन की स्तिथि पैदा हो जाती है। जातक की नौकरी या व्यापार में स्थिरता नहीं आ पाती है। दसवें भाव में बैठे अंधे हो चुके ग्रहों को ठीक करने के लिए दस अंधों को भोजन कराना चाहिए।

निष्कर्ष – आपकी कुण्डली अंधे ग्रहों की कुण्डली (टेवा) नहीं है।

आधे अन्धे ग्रहों की कुण्डली

लाल किताब के अनुसार, यदि चौथे भाव में सूर्य और सातवें भाव में शनि स्थित हों तो ऐसी कुण्डली को आधे अंधे ग्रहों की कुण्डली कहते हैं। इस ग्रह की स्थिति का जातक की मानसिक स्थिति और व्यवसायिक जीवन पर अशुभ असर होगा। जातक की मानसिक शांति में काफी कमी आ सकती है। चौथा भाव हमारे सुख का भी घर है, इस ग्रह स्थिति के कारण गृहस्थ सुख में कमी आने की संभावना होती है।

निष्कर्ष – आपकी कुण्डली आधे अंधे ग्रहों की कुण्डली (टेवा) नहीं है।

धर्मी कुण्डली

लाल किताब के अनुसार, यदि कुण्डली में बृहस्पति के साथ शनि बैठा हुआ है, तो ऐसी कुण्डली को धर्मी कुण्डली (टेवा) कहते हैं। ऐसे जातक के जीवन में कभी भी कोई बड़ी समस्या नही आ सकती है, जो कि जीवन में उथल–पुथल मचा दे। किसी बहुत मुश्किल या कष्ट के समय उसे कहीं न कहीं से दैवीय सहायता प्राप्त हो जाएगी।

निष्कष– यह कुण्डली धर्मी कुण्डली (टेवा) नहीं है।

ग्रहफल (लाल किताब)

सूर्य पहले भाव मे

आपकी लाल किताब कुण्डली में सूर्य पहले भाव में स्थित है। आप बहुत विनम्र और मधुर वाणी बोलने वाले होंगे। आपका स्वभाव बहुत उदार होगा। लेकिन यदि कोई आपको हानि पहुँचाने का प्रयास करेगा, आप उसे सबक सिखाये बिना नहीं छोड़ेंगे आपका व्यवहार उत्तम होगा। आप निडर, साहसी और बहादुर होंगे तथा अपने शत्रुओं को परास्त करेंगे आपका नाम होगा और आप यशस्वी होंगे। आप स्वयं सफलता के पथ पर अग्रसर होंगे और अपने को स्थापित करेंगे। लेकिन आप मानसिक रूप से अशान्त रह सकते हैं। राजनीति में आपकी रूचि होगी। आप शिक्षा के क्षेत्र में कई उपलब्धियॉ प्राप्त करेंगे। आप लेखा जोखा के कार्य में संलग्न हो सकते हैं। आप बहुत आदर्शवादी होंगे और अपने सिद्धान्तों के साथ कोई समझौता नहीं करेंगे। आप अपने विचारों से कभी भी नहीं हटेंगे शराब और मादक पदार्थों से आपको घृणा होगी। आपको कोई भी कार्य प्रारम्भ करना प्रिय होगा तथा आप कार्यों का नेतृत्व करेंगे।आप बहुत आक्रामक होंगे और विकराल रूप से जबाव देंगे आप परिश्रमी होंगे और परिश्रम से कभी पीछे नहीं हटेंगे। आपके गुण आपको धनी बनाने में सहायक होंगे। आप परोपकारी होंगे और लोगों की मदद करेंगे आप जितना संघर्ष करेंगे, उतनी ही सफलता और ख्याति के शिखर की तरफ बढ़ते जायेंगे आपका यश और बढ़ेगा। जो आपको परेशान करने या हानि पहुँचाने का प्रयास करेंगे, वे समाप्त हो जायेंगे। यदि आप अपना धन धार्मिक और कल्याणकारी कार्यों में लगायेंगे, आप उन्नति के पथ पर आगे बढ़ते जायेंगे। आप 24 साल की आयु में विवाह कर सकते हैं और आपको पत्नी तथा बच्चों का सुख प्राप्त होगा। आप समाज के कल्याण के लिये कार्य करेंगे। आप किसी बात पर भरोसा अपनी ऑखों से देखने के बाद ही करेंगे। आपका गंजापन आपकी समृद्धि का संकेत होगा। आप लकीर का फकीर होने के बजाय एक स्वतंत्र विचारक होंगे। आपको यात्राओं से लाभ प्राप्त होगा। आपको सरकारी नौकरी में एक उच्च पद प्राप्त हो सकता है। आपके सरकारी अधिकारियों से मधुर संबंध हो सकते हैं। आपको इन संबंधों से लाभ प्राप्त होगा।

यदि आपने जनता के साथ गलत व्यवहार किया, परिवार कल्याण के कामों में बाधा डालने का प्रयास किया, अपने घर के अन्त में बने कमरे में उजाला करने का प्रयास किया तो आपका सूर्य मंदा हो सकता है। यदि

आपका सूर्य किसी भी कारण से मंदा हो गया तो आपको प्रतिकूल परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। आप हड्डी और दिल के रोग से ग्रस्त हो सकते हैं। क्रोध और कटुवाणी से आपका रक्त चाप बढ़ सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्न परहेज और उपाय करें।

परहेज : –

1– मांस और मदिरा का सेवन न करें।

2– दिन के समय अपना व्यवहार ठीक रखें।

उपाय : –

1– जल में चीनी मिलाकर सूर्य को अर्घ्य दें।

2– अपने घर के अन्त में अंधेरा कमरा बनवायें।

चन्द्रमा बारहवें भाव मे

आपकी लाल किताब कुण्डली में चन्द्रमा बारहवें भाव में स्थित है। आपकी कई इच्छायें पूरी नहीं हो सकती हैं या आपके कई कार्य कई प्रकार की परेशानियों का सामना करने के बाद पूरे हो सकते हैं। आपकी शिक्षा बहुत उत्तम होगी। आप बुद्धिमान होंगे। आप अपने वचन के पक्के नहीं हो सकते हैं या आपमें बार–बार बात बदलने की आदत होगी। आपकी आर्थिक स्थिति बहुत उत्तम नहीं हो सकती है। आपके जीवन में शैक्षणिक ज्ञान का अधिक प्रयोग नहीं हो सकता है। आपका वर्तमान अच्छा होगा। आप स्वप्न देखने वाले होंगे और अपने भविश्य की कल्पना में खोये रहेंगे। लोग आप पर भरोसा करेंगे और अपनी राज की बातें आपको बतायेंगे। आप उनकी राज की बातों को किसी अन्य को नहीं बतायेंगे। आपका आश्वासन लोगों को राहत पहुँचायेगा। आप अपने पूर्वजों के बारे में बढ़ा–चढ़ा कर बतायेंगे। आप धन की बचत करेंगे। 48 साल की आयु के बाद आप एक बहुत आरामदायक जीवन व्यतीत करेंगे।

यदि आप नल लगवाते हैं, पानी के संसाधन छत के नीचे रखते हैं, नीम का पेड़ काटते हैं, गलत व्यवहार करते हैं या पूर्वजों का काम खराब करते हैं तो आपका चन्द्रमा कमजोर हो सकता है। यदि आपका चन्द्रमा किसी

कारणवश कमजोर हो जाता है तो आप अपना नुकसान कर सकते हैं। आप अपने अतीत को याद करने में अपना समय बर्बाद कर सकते हैं। आपको सम्पत्ति संबंधी मामलों के कारण मुकदमों का सामना करना पड़ सकता है। उनके निर्णय में देर हो सकती है, परन्तु जीत आपको ही मिलेगी। आपकी संतान निकम्मी हो सकती है। आपकी पैतृक सम्पत्ति का नाश हो सकता है। आप कई परेशानियों का सामना कर सकते हैं। आपको नेत्र रोग हो सकता है। आपकी मानसिक शांति भंग हो सकती है। आपको पानी से डर हो सकता है। आपको माता का सुख नहीं मिल सकता है। आपकी अपनी और ससुराल वालों की सम्पत्ति आपके कारण बर्बाद हो सकती है। पराई औरतें आपके जीवन में दुःख का कारण बन सकती हैं। आप आलसी, गरीब और अस्वस्थ हो सकते हैं। आपको खुशियों के बाद परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्न परहेज और उपाय करें।

परहेज : –

1– छत के नीचे नल आदि न लगवायें।

2– अपने अतीत को याद न करें।

उपाय : –

1– नीम के वृक्ष का पानी अपने घर पर रखें।

2– 16 लीटर बारिश के पानी में चार चांदी के टुकड़े रखें।

3– कांच के बर्तन में बर्फ रखें।

मंगल पहले भाव मे

आपकी लाल किताब कुण्डली में मंगल पहले भाव में स्थित है। आप दोहरी प्रकृति के व्यक्ति नहीं होंगे और आप बाहर तथा अन्दर से एक तरह ही होंगे। आपकी प्रकृति और व्यवहार समान होंगे। आप बहादुर, उत्साही और प्रसन्नचित्त होंगे। आप विद्वान होंगे। आप अच्छे और बुरे सभी तरह के लोगों के साथ नेकी करेगें। आप साधु और गरीबों की मदद करेंगे। आपको छोटे भाई–बहनों तथा संतान का सुख प्राप्त होगा। आप अपने परिवार के लिये भाग्यशाली साबित होंगे और अपने परिवार को समृद्ध तथा खुशहाल बनायेंगे। 18 साल की आयु के बाद

आप सरकारी नौकरी या परामर्श के कार्यों में रूचि लेंगे। शत्रु आपको हानि नहीं पहुँचा पायेंगे और आपकी उनसे रक्षा होगी। यदि आप नौकरी करते हैं तो आप वह कार्य 35 से 40 साल की आयु तक ही करेंगे। आपको राज्य सरकार से लाभ प्राप्त होगा। आप आक्रामक प्रकृति के होंगे और यदि कोई आप पर आक्रमण करता है तो आप उसका करारा जबाव देंगे। आप 28 साल की आयु के बाद प्रगति करेंगे। उच्च अधिकारियों से आपके अच्छे संबंध होंगे। लोहे, लकडी और घर से सम्बन्धित व्यवसाय आपके लिये लाभकारी होंगे। यदि आप अपने परिवार के सदस्यों के साथ मिलकर काम करेंगे तो यह आपके लिये लाभदायक होगा। आप दूसरों के अच्छे काम को कभी नहीं भूलेंगे और उनका अहसान मानेंगे। आपका आशीर्वाद लोगों के लिये फलदायी होगा।

यदि आप दान लेंगे या कोई चीज बिना मोल दिये लेंगे, झूठ बोलेंगे, अपनी माता को कश्श्ट देंगे या उनका विरोध करेंगे, लोगों को गाली देंगे तो आपका मंगल कमजोर हो सकता है। यदि आपका मंगल किसी कारणवश कमजोर हो जाता है तो आपको शारीरिक कश्श्ट हो सकता है। आप अपने आलस के कारण बनते काम खराब कर सकते हैं। आपको मानसिक रोग हो सकता है या आप तनावग्रस्त रह सकते हैं। आप किसी दुर्घटना के शिकार हो सकते हैं। आपकी माता का आप्रेशन हो सकता है। आपके भाई को कश्श्ट हो सकता है और आपकी बहन खुश नहीं रह सकती है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्न परहेज और उपाय करें।

परहेज : –

1– दान न लें या कोई चीज बिना मोल दिये न लें।

2– घर पर हाथी दॉत न रखें।

उपाय : –

1– यदि आपके बड़े भाई जीवित हैं तो लाल रूमाल अपने पास रखें।

2– अपने भाई और साले की सेवा करें।

बुध पहले भाव मे

आपकी लाल किताब कुण्डली में बुध पहले भाव में स्थित है। आपकी ज्योतिश्श में रूचि होगी और आप इसमें निपुण होंगे। आप व्यापार कर सकते हैं। आप विद्वान होंगे। आप अपनी बुद्धिमता और अच्छे कामों के कारण सम्मान प्राप्त करेंगे। आप द्वैत प्रकृति के होंगे। आप मृदुभाश्शी और आकर्श्शक होंगे। आप पर दूसरों का प्रभाव आसानी से हो जायेगा। आपके शत्रु आपको हानि नहीं पहुॅचा पायेंगे और आप उनसे सुरक्षित रहेंगे। आप सक्षम और शक्तिशाली व्यक्ति का पक्ष लेंगे और आपके साथ उसकी सन्धि उसे और अधिक शक्तिशाली बना देगी। आप धीमी चाल से चलने वाले होंगे। आपको वार्तालाप करना पसन्द होगा। आप कल्पनाशील होंगे। आपकी उच्च महत्वाकांक्षा आपको भाग्यशाली बनायेगी। आपके अन्दर आंतरिक शक्ति होगी और आप काम–क्रिया में निपुण होंगे। आप दूसरों की परवाह नहीं करेंगे। आप स्वार्थी हो सकते हैं और आपको प्रशंसा पसन्द होगी। आप दूसरों का दिल जीतने में निपुण होंगे। आपको काम करते या टहलते समय बात करना पसन्द होगा।

यदि आपने मांस–मदिरा का सेवन किया, जादू या तंत्र–मंत्र में रूचि लिया, गलत व्यवहार किया तो आपका बुध कमजोर हो सकता है। यदि आपका बुध किसी कारणवश कमजोर हो जाता है तो आप कुछ बुरी आदतों के शिकार हो सकते हैं। आपको त्वचा या उदर संबंधी रोग हो सकता है। आपका संतान सुख बाधित हो सकता है। यदि आपने जादू या तंत्र–मंत्र में रूचि लिया तो आपके धन और परिवार की हानि हो सकती है। बिना किसी कारण के आपका कंजूस होना आपकी छवि को खराब कर सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्न परहेज और उपाय करें।

परहेज : –

1– या अंडे से बनी चीजें न खायें।
2– मदिरा और मछली का सेवन न करें।
1– या अंडे से बनी चीजें न खायें।
2– मदिरा और मछली का सेवन न करें।
3– तोता, भेड़ और बकरी न पालें।
4– ताबीज, धागे, जल और विभूति से दूर रहें।
1– या अंडे से बनी चीजें न खायें।
2– मदिरा और मछली का सेवन न करें।
3– तोता, भेड़ और बकरी न पालें।
4– ताबीज, धागे, जल और विभूति से दूर रहें।
5– मामा और बुआ से न लड़ें।
6– चौड़ी पत्ती वाला कोई वृक्ष न लगायें।
1– या अंडे से बनी चीजें न खायें।
2– मदिरा और मछली का सेवन न करें।
3– तोता, भेड़ और बकरी न पालें।
4– ताबीज, धागे, जल और विभूति से दूर रहें।

5– मामा और बुआ से न लड़ें।

6– चौड़ी पत्ती वाला कोई वृक्ष न लगायें।

7– बुआ से झगड़ा न करें।

8– विधवा या अविवाहित महिला से अनैतिक संबंध न रखें।

उपाय : –

1– धार्मिक कार्य करें।

2– अतिथियों की सेवा अवश्य करें।

बृहस्पति चौथे भाव मे

आपकी लाल किताब कुण्डली में बृहस्पति चौथे भाव में स्थित है। आप वकील या जज हो सकते हैं या एक उच्च पद प्राप्त करेंगे। आप जो भी सोचेंगे, वह सच हो जायेगा। आप दूसरों की मदद करते समय अपने नुकसान के बारे में नहीं सोचेंगे। आपको अचानक धन मिल सकता है या आपकी लॉटरी लग सकती है। आपको सरकार से लाभ प्राप्त होगा। आपको उत्तम भवन और वाहन का सुख प्राप्त होगा। आपको 24 साल की आयु तक शिक्षा प्राप्त होगी। आप बहुत चतुर और भाग्यशाली होंगे। आप सबकी मदद करेंगे। आपका स्तर अपने पिता के स्तर से अधिक उँचा होगा। आप आधिकारिक यात्राओं के दौरान शुभ परिणाम प्राप्त करेंगे। आपके माता–पिता दीर्घायु होंगे। आप यश प्राप्त करेंगे। आपको भूमि प्राप्त होगी और आपका घर आलीशान होगा। आप खुश रहेंगे और आपको मानसिक शांति प्राप्त होगी। आप धनी होंगे। आपको जीवनसाथी, संतान और माता–पिता का सुख प्राप्त होगा। आपको गड़ा हुआ खजाना प्राप्त हो सकता है। लोहे, मशीन आदि से संबंधित कोई व्यवसाय आपके लिये बहुत लाभकारी हो सकता है।

यदि आपके संबंध गरीबों के साथ हुये, आपने घर पर टूटी हुई चीजें या चिपकाये हुये खिलौने रखे, पराई औरतों के साथ संबंध रखे तो आपका बृहस्पति कमजोर हो सकता है। यदि आपका बृहस्पति किसी कारणवश कमजोर हो जाता है तो आप स्वयं को बर्बाद कर सकते हैं। 23वॉ, 34वॉ, 48वॉ और 55वॉ साल आपके जीवन का उत्तम होगा, लेकिन आपकी माता को इन सालों के दौरान परेशानी हो सकती है। आप बदनाम हो सकते हैं या आपका

मान दांव पर लग सकता है। आपको किसी बड़ी परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। आप सांसारिक बन्धन से छुटकारा पाने के बारे में सोच सकते हैं। आपकी पत्नी को छाती या गर्भाशय से संबंधित कोई रोग हो सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्न परहेज और उपाय करें।

परहेज : –

1– टूटे खिलौने घर पर न रखें।

2– संतानहीन लोगों से संबंध न रखें।

उपाय : –

1– धार्मिक स्थान पर सिर झुकायें।

2– परिवार के पुजारी की सेवा करें।

शुक्र दूसरे भाव मे

आपकी लाल किताब कुण्डली में शुक्र दूसरे भाव में स्थित है। आपका धन, संतान सुख, सम्पत्ति और खुशहाली जीवन भर बढ़ती रहेगी। आपको हर तरफ से शुभ परिणाम प्राप्त होंगे। आप बहुत परिश्रमी होंगे। आप अपने व्यवसाय में किसी प्रकार की कोई परेशानी का सामना नहीं करेंगे। आपकी सफलता दिन–दूनी रात–चौगुनी बढ़ती रहेगी। आप एक सम्मानित व्यक्ति होंगे। आपका भगवान में विश्वास होगा, आपकी सारी मनोकामनायें पूरी होंगी। आपका वैवाहिक जीवन बहुत खुशहाल होगा। आप 60 साल की आयु तक बहुत धन कमायेंगे। आप अपने शत्रुओं पर प्रभावी होंगे। आपका भाई और पुत्र भाग्यशाली होगीं। आपको लोगों से सहयोग मिलेगा। आप प्रेम संबंध चतुराई के साथ बनायेंगे। आप एक सफल प्रेमी होंगे।

यदि आप शेरमुखी घर में रहेंगे, आपको रास रंग पसन्द होगा, आप आलू का व्यापार करेंगे तो आपका शुक्र कमजोर हो सकता है। यदि आपका शुक्र किसी कारणवश कमजोर हो जाता है तो आप रक्त या वीर्य विकार से ग्रस्त हो सकते हैं। इस कारण से आप पिता नहीं बन सकते हैं। यदि आपको प्रजनन संबंधी कोई समस्या है तो

आपको डाक्टर से परामर्श करना चाहिये और उसके अनुसार आयुर्वेदिक दवायें लेनी चाहिये। यदि आप किसी से गलत व्यवहार करेंगे तो आपको परेशानी और हानि हो सकती है। यदि आपने संतान गोद ली तो आपको अपनी प्रथम संतान के जन्म में किसी परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। आपके गलत काम आपकी संतान पर बुरा प्रभाव डालेंगे।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्न परहेज और उपाय करें।

परहेज : –

1– जानवरों को परेशान न करें।

2– शेरमुखी घर में न रहें।

उपाय : –

1– आलू, दही या घी का दान करें।

2– सींग रहित गाय की सेवा करें।

शनि आठवे भाव मे

आपकी लाल किताब कुण्डली में शनि आठवें भाव में स्थित है। आप नई चीजों का आविश्शकार करेंगे या नये विश्शय खोजेंगे। आपकी आर्थिक स्थिति सामान्य होगी। आप साझेदारी द्वारा अधिक लाभ प्राप्त करेंगे। यदि आप सरकारी नौकरी में हैं तो आप धीर–धीरे प्रगति करेंगे। आप विदेश जायेंगे। आप समुद्री यात्राओं, पानी या जलीय पदार्थों से लाभ प्राप्त करेंगे। एक स्थान पर बैठकर करने वाले काम आपके लिये बेहतर होंगे।

यदि आपका घर बन्द गली के सिरे पर स्थित है, आपके घर में दरारे हैं, आप अपने नाम से घर बनवाते हैं तो आपका शनि कमजोर हो सकता है। यदि आपका शनि किसी कारणवश कमजोर हो जाता है तो आपको पिता का सुख बहुत अधिक नहीं मिल सकता है। आपको दुर्घटना का सामना करना पड़ सकता है। आपका अपने भाई से बैर हो सकता है। आप पैर से संबंधित किसी रोग से ग्रस्त हो सकते हैं। आपकी आर्थिक स्थिति वृद्धावस्था में खराब हो सकती है। आपका घमण्डी स्वभाव आपके लिये हानि का कारण बन सकता है। आपको परेशानी का

सामना करना पड़ सकता है या सरकार के कारण आपको हानि हो सकती है। आपका संतान सुख कम हो सकता है। मांस–मदिरा का सेवन आपके लिये हानिकारक हो सकता है। आपको नौकरों के कारण हानि हो सकती है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्न परहेज और उपाय करें।

परहेज : –

1– अपने नाम पर घर न बनायें।

2– सांप को न मारें।

उपाय : –

1– अपने पास वर्गाकार चांदी का टुकड़ा रखें।

2– 8 किलो उड़द पानी में प्रवाहित करें।

राहु पहले भाव मे

आपकी लाल किताब कुण्डली में राहु पहले भाव में स्थित है। आप धनी और बहुत अच्छे प्रशासक होंगे। यदि आप सरकारी नौकरी में हैं तो आपको बहुत सम्मान मिलेगा। आपके ननिहाल के लोग आपके जन्म के बाद धनी हो जायेंगे। आपका जन्म अस्पताल या अपने ननिहाल में हुआ होगा। आपके जन्म के समय आकाश में बादल छाये हुये होंगे। आप अपनी 42 साल की आयु के बाद बहुत अच्छे और शुभ परिणाम प्राप्त करेंगे। आपकी आय के साधन एक से अधिक होंगे। यदि आपका एक व्यवसाय छूटता है तो दूसरा प्रारम्भ हो जायेगा। आप धनी होंगे। आपको बातूनी नहीं होना चाहिये। यह आपके लिये अच्छा नहीं हो सकता है। आप बेईमान या धोखेबाज हो सकते हैं। आप जीवन में विभिन्न प्रकार के परिवर्तनों से गुजरेंगे, जो आपकी माता और आपकी मानसिक शांति के लिये शुभ होगा।

यदि आप अपने ससुराल वालों से लोहे, बिजली का सामान, काले–नीले कपड़े बिना मोल दिये लेंगे, आंगन में धुऑ करेंगे, अपने बटुये में बिल्ली की जेर रखेंगे तो आपका राहु कमजोर हो सकता है। यदि आपका राहु किसी

कारणवश कमजोर हो जाता है तो आपको अपने कामों में बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। आपकी प्रगति धीमी हो सकती है और परिवर्तन अधिक हो सकते हैं। आपकी आयु का 11वॉ, 21वॉ और 42वॉ साल आपके पिता के लिये अच्छा नहीं हो सकता है। आपके परिवार के किसी सदस्य को दमा या मिर्गी हो सकता है। आप शरारती और निकम्मे हो सकते हैं। आपको भगवान में आस्था नहीं हो सकती है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्न परहेज और उपाय करें।

परहेज : –

1– आंगन में धुआं न करें।

2– तोंद न निकलने दें।

उपाय : –

1– धार्मिक स्थान पर गुड़ और गेहूँ बांटें।

2– दूध से स्नान करें।

केतु सातवें भाव मे

आपकी लाल किताब कुण्डली में केतु सातवें भाव में स्थित है। आप अपनी 24 साल की आयु से धन कमाना शुरू कर देंगे। आपकी आयु बढ़ने के साथ आपका धन बढ़ेगा। आप अपने व्यवसाय के द्वारा उत्तम आय अर्जित करेंगे। आपकी संतान स्वस्थ और मजबूत होगी। आप अपने वचन के पक्के होंगे। आप समृद्ध और खुशहाल होंगे। आपकी संतानों की संख्या आपके जीवनसाथी के भाई–बहनों की संख्या के बराबर होगी। आपको 34 साल की आयु तक परेशानी का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन उसके बाद आपको शुभ परिणाम प्राप्त होंगे। आप धन का संग्रह करेंगे। आप कभी निराश नहीं होंगे। आपके शत्रु आपको हानि नहीं पहुँचा पायेंगे और आप उनको परास्त करेंगे।

यदि आप हर समय लिखने का काम करेंगे, झूठा वादा करेंगे, पराई औरतों के साथ अनैतिक संबंध रखेंगे, अपने जीवनसाथी के साथ झगड़ा करेंगे तो आपका केतु कमजोर हो सकता है। यदि आपका केतु किसी कारणवश

कमजोर हो जाता है तो आपके ननिहाल वालों की स्थिति 7 साल तक खराब रह सकती है और आपकी 34 साल की आयु के बाद वे परेशानी का सामना कर सकते हैं। कोई झूठा वादा आपकी अवनति का कारण बन सकता है। यदि आपने अपना वादा पूरा नहीं किया तो आपको हानि हो सकती है। आपको शारीरिक परेशानी का सामना करना पड़ सकता है या आप बीमार हो सकते हैं। आपकी संतानों पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है। आप पत्नी और संतानों के कारण व्यग्र हो सकते हैं। आप कटु वचन बोल सकते हैं। आपका अहं आपको बर्बाद कर सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्न परहेज और उपाय करें।

परहेज : –

1– पराई औरतों के साथ अनैतिक संबंध न रखें।

2– कलम के द्वारा अधिक लिखने का काम न करें।

उपाय : –

1– 4 दिन तक पानी में 4 केले प्रवाहित करें।

2– 4 दिन तक पानी में 4 नींबू प्रवाहित करें।

आपकी कुण्डली में लागु होने वाले ऋण

छव त्पद ।चचसपबंइसमण्

लाल किताब वर्षफल

11:12:2016--10:12:2017

वर्षफल कुण्डली (43)

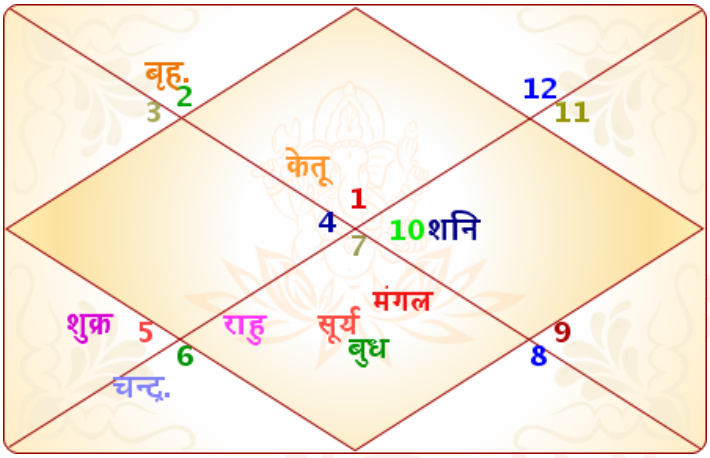

लग्न कुण्डली

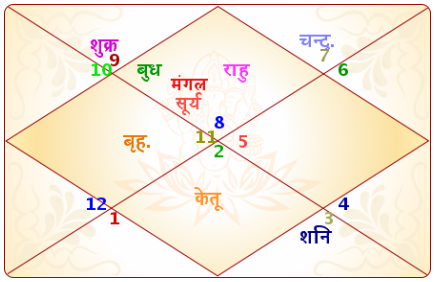

चन्द्र कुण्डली (लाल किताब)

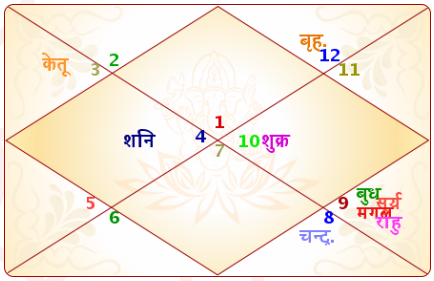

लाल किताब वर्षफल में ग्रहों की स्थिति

ग्रह	भाव	भावेश	प्रभाव	पक्का घर	भाग्यशाली	साथी ग्रह	कायम	धर्मी	सोया	विशेष
सूर्य	7	5	ग्रह						हाँ	अशुभ भाव
चन्द्रमा	6	4	राशि						हाँ	अशुभ भाव
मंगल	7	1, 8	राशि						हाँ	शुभ भाव
बुध	7	3, 6	ग्रह	हाँ			हाँ			शुभ भाव
बृहस्पति	2	9, 12	ग्रह	हाँ			हाँ			शुभ भाव
शुक्र	5	2, 7	राशि				हाँ		हाँ	...
शनि	10	10, 11	ग्रह	हाँ	हाँ		हाँ			शुभ भाव
राहु	7		राशि						हाँ	अशुभ भाव
केतु	1		राशि				हाँ			...

लाल किताब वर्षफल में भावों की स्थिति

भाव	भावस्थ ग्रह	मालिक	पक्का घर	सोया	उच्च	नीच	भाग्य उत्प्रेरक
1	केतु	मंगल	सूर्य		सूर्य	शनि	मंगल
2	बृहस्पति	शुक्र	बृहस्पति		चन्द्रमा		चन्द्रमा
3		बुध	मंगल	हाँ	राहु	केतु	बुध
4		चन्द्रमा	चन्द्रमा	हाँ	बृहस्पति	मंगल	चन्द्रमा
5	शुक	सूर्य	बृहस्पति				सूर्य
6	चन्द्रमा	बुध	बुध,केतु		बुध,राहु	शुक,केतु	केतु
7	सूर्य, मंगल, बुध, राहु	शुक्र	शुक,बुध		शनि		शुक्र
8		मंगल	मंगल,शनि	हाँ		चन्द्रमा	चन्द्रमा
9		बृहस्पति	बृहस्पति		केतु	राहु	शनि
10	शनि	शनि	शनि		मंगल	बृहस्पति	शनि
11		शनि	शनि	हाँ			बृहस्पति
12		बृहस्पति	बृहस्पति		शुक,केतु	बुध,राहु	राहु

लाल किताब वर्षफल – 43

सूर्य सातवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में सूर्य अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में सूर्य शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर सातवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपको अपनी संतान के लिए चिन्ता लगी रहेगी। आपके घर में अग्निकांड हो सकते हैं। पत्नी का स्वास्थ्य आपके लिए चिन्ता का विषय हो सकता है। व्यर्थ की धन हानि होने से आपकी मानसिक स्थिति पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है। यदि आप साझेदारी में व्यवसाय करते हैं, तो आपको घाटा उठाना पड़ सकता है।

वर्षफल में सूर्य का उपाय

सूर्य के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– कोई भी कार्य मीठी चीज खाकर और पानी पीकर शुरू करें।
2– अग्नि में आहुति दें।
3– नमक कम खायें।
4– जमीन में ताँबे के सात चौकोर टुकड़े दबायें।

चन्द्रमा छठे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में चन्द्रमा अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में चंद्रमा शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर छठवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपके अधीनस्थ कर्मचारी आपके लिए परेशानियां खड़ी कर सकते हैं। आपकी माता का स्वास्थ्य भी आपके लिए चिन्ता का विषय हो सकता है। यात्राओं में आपको सावधान और सचेत रहने की जरूरत होगी, अन्यथा आपको परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

वर्षफल में चन्द्रमा का उपाय

चन्द्रमा के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– अपने पिता को अपने हाथों से दूध पिलायें।
2– अपने भेद दूसरों को ना बतायें।
3– खरगोश पालें।
4– रात में दूध का सेवन ना करें।

5– मुत में पानी का दान ना करें।

मंगल सातवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में मंगल अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में मंगल शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर सातवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपको फोड़े–फुंसी, पाचन या खून से संबंधित बीमारियां हो सकती हैं। आपको बुरे लागों की संगत नहीं करनी चाहिए, नहीं तो आप अपमानित हो सकते हैं। अपने जीवनसाथी से भी इस वर्ष आपका मनमुटाव हो सकता है, अतः आपको सावधानी बरतने की जरूरत है। आप अपना चाल–चलन ठीक रखें। यदि आपकी बहन, बुआ या बेटी अपने ससुराल वालों से गुस्सा होकर आपके घर आती हैं, तो आप उन्हें समझा बुझाकर अपने घर भेज दें।

वर्षफल में मंगल का उपाय

मंगल के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– अपना चाल–चलन ठीक रखें।
2– अपने घर में बेलदार पौधे ना लगायें।
3– बहन या बेटी को मिठाई भेंट करें।
4– अपने भतीजे और भांजे की सेवा करें।

बुध सातवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में बुध अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में बुध शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर सातवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपको अपने क्रोध पर काबू रखने की आवश्यकता होगी, अन्यथा आपका अनुचित व्यवहार आपकी मान–प्रतिष्ठा के लिए घातक सिद्ध हो सकता है। यदि आप अपना व्यापार साझेदारी में करते हैं, तो इस वर्ष आपको घाटा उठाना पड़ सकता है। आपके भाई अथवा आपके जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर भी बुरा प्रभाव पड़ सकता है।

वर्षफल में बुध का उपाय

बुध के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– किसी भी कार्य को करने से पहले मीठा खायें।
2– हीरे की अंगुठी पहनना लाभदायक होगा।
3– घर में हरी घास रोपें।

बृहस्पति दूसरे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में बृहस्पति अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में बृहस्पति शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर दूसरे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपके पिता को सोने, चांदी के व्यापार में घाटा हो सकता है। उनको कम पूंजी वाले व्यापार में हाथ आजमाना चाहिए। इस वर्ष पैतृक सम्पत्ति के बंटवारे में आपको घाटा हो सकता है। आपको इस वर्ष अपने गुस्से पर काबू रखने की आवश्यकता है।

वर्षफल में बृहस्पति का उपाय

बृहस्पति के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– घर के सामने के गड्ढों को मिट्टी से भरवायें।
2– सोने चांदी से सम्बन्धित व्यापार ना करें।
3– हल्दी या केसर का तिलक लगायें।
4– अपने घर का एक हिस्सा अधूरा ही बिना बनवाये छोड़ें।
5– अपना चाल–चलन ठीक रखें।
6– नवविवाहिता लड़की को पतीशे की मिठाई दें।

शुक्र पाचवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में शुक्र अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में शुक्र शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर पांचवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष अनैतिक प्रेम–संबंधों की वजह से बदनामी हो सकती है। यदि आप विवाहित हैं, तो विवाह का योग है, परन्तु आपको अपने माता–पिता की आज्ञा से ही विवाह करना चाहिए, अन्यथा संतान पक्ष से कष्ट हो सकता है। आर्थिक दृष्टि से भी यह वर्ष साधारण ही होगा।

वर्षफल में शुक्र का उपाय

शुक्र के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– किसी धार्मिक स्थान में पांच दिन तक आटे का दान करें।
2– अपने मां–बाप की आज्ञानुसार विवाह करें।
3– गाय की सेवा करें।

शनि दसवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में शनि अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में शनि शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर दसवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, सरकारी कर्मचारियों से वर्ष भर भय बना रहेगा। आपको इस वर्ष शराब और मछली का सेवन नहीं करना चाहिए, अन्यथा आपको व्यापार और नौकरी में बहुत सारी कठिनाईयों का सामना करना पड़ सकता है। आपको इस वर्ष भागने–दौड़ने का कार्य बिल्कुल नहीं करना चाहिए। आपको इस वर्ष क्रोध भी अधिक आयेगा, इसलिए आप अपने पारिवारिक मामलों में बाहरी व्यक्तियों का हस्तक्षेप बिल्कुल ना होने दें। धन सम्पत्ति के मामलों में भी आपको चिन्ता बनी रहेगी।

वर्षफल में शनि का उपाय

शनि के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– शराब और मछली का सेवन नहीं करना चाहिए।
2– किसी प्रकार का हथियार अपने पास ना रखें।
3– भागने–दौड़ने का कार्य ना करें।

राहु सातवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में राहु अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में राहु शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर सातवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपके जीवनसाथी का स्वास्थ्य आपके लिए चिन्ता का विषय बन सकता है और स्वास्थ्य ठीक ना होने के कारण उनका स्वभाव थोड़ा चिड़चिड़ा हो सकता है। यदि आप बिजली विभाग या यातायात विभाग से संबंधित या उनके साथ मिलकर कोई कार्य करने वाले हैं, तो आपको घाटा हो सकता है। यदि आप साझेदारी में व्यवसाय कर रहे हैं, तो अपने साझेदार से आपका विवाद हो सकता है।

वर्षफल में राहु का उपाय

राहु के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– सात नारियल बहते पानी में बहायें।
2– चांदी की ईंट अपने घर में रखें।
3– वाहन चालक के रूप में कोई कार्य ना करें।
4– प्लास्टिक के डिब्बों में गंगाजल भरकर और उसमें चांदी के चौकोर टुकड़े डालकर अपने पास रखें।

केतु पहले भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में केतु शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में केतु शुभ स्थिति में पहले भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपकी आर्थिक स्थिति बढ़िया रहेगी। इस वर्ष पुरुष के रूप में आपके परिवार में नया सदस्य जुड़ेगा। नौकरी, कारोबार में वृद्धि होगी। आपको बिना आवश्यकता या आदेश की कोई यात्रा नहीं करनी चाहिए, अन्यथा यात्रा का उद्देश्य पूर्ण नहीं होगा। पिता अथवा गुरु की सेवा करें।

वर्षफल में केतु का उपाय

केतु के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– चितकबरा कुत्ता पालें।

2– लाल रूमाल अपने पास रखें।

3– कोने के मकान में न रहें।

लाल किताब वर्षफल

11:12:2017--10:12:2018

वर्षफल कुण्डली (44)

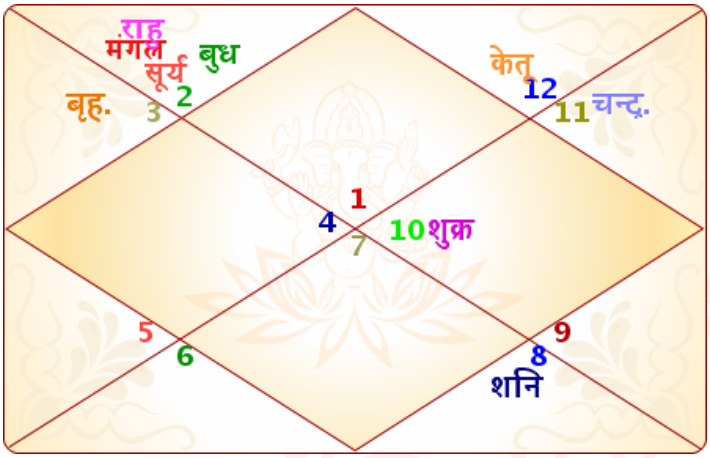

लग्न कुण्डली

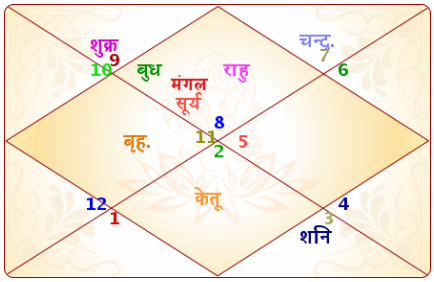

चन्द्र कुण्डली (लाल किताब)

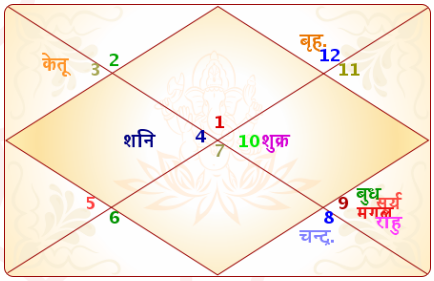

लाल किताब वर्षफल में ग्रहों की स्थिति

ग्रह	भाव	भावेश	प्रभाव	पक्का घर	भाग्यशाली	साथी ग्रह	कायम	धर्मी	सोया	विशेष
सूर्य	2	5	राशि						हाँ	शुभ भाव
चन्द्रमा	11	4	राशि						हाँ	अशुभ भाव
मंगल	2	1, 8	राशि			बृहस्पति			हाँ	शुभ भाव
बुध	2	3, 6	राशि				हाँ		हाँ	शुभ भाव
बृहस्पति	3	9, 12	राशि			मंगल	हाँ			शुभ भाव
शुक्र	10	2, 7	राशि				हाँ		हाँ	...
शनि	8	10, 11	ग्रह	हाँ			हाँ			शुभ भाव
राहु	2		राशि						हाँ	अशुभ भाव
केतु	12		ग्रह		हाँ		हाँ		हाँ	शुभ भाव

लाल किताब वर्षफल में भावों की स्थिति

भाव	भावस्थ ग्रह	मालिक	पक्का घर	सोया	उच्च	नीच	भाग्य उत्प्रेरक
1		मंगल	सूर्य	हाँ	सूर्य	शनि	मंगल
2	सूर्य, मंगल, बुध, राहु	शुक्र	बृहस्पति		चन्द्रमा		चन्द्रमा
3	बृहस्पति	बुध	मंगल		राहु	केतु	बुध
4		चन्द्रमा	चन्द्रमा	हाँ	बृहस्पति	मंगल	चन्द्रमा
5		सूर्य	बृहस्पति	हाँ			सूर्य
6		बुध	बुध,केतु		बुध,राहु	शुक्र,केतु	केतु
7		शुक्र	शुक्र,बुध	हाँ	शनि		शुक्र
8	शनि	मंगल	मंगल,शनि			चन्द्रमा	चन्द्रमा
9		बृहस्पति	बृहस्पति		केतु	राहु	शनि
10	शुक्र	शनि	शनि		मंगल	बृहस्पति	शनि
11	चन्द्रमा	शनि	शनि				बृहस्पति
12	केतु	बृहस्पति	बृहस्पति		शुक्र,केतु	बुध,राहु	राहु

लाल किताब वर्षफल – 44

सूर्य दूसरे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में सूर्य शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में सूर्य शुभ स्थिति में दूसरे भाव में बैठा हुआ है। इस वर्ष आप नौकरी/कारोबार में प्रगति करेंगे एवं अपने मित्रों को भी प्रगति करने में सहायता करेंगे। समाज में आपकी मान–प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी एवं अपने अधिकारियों से आपके मधुर संबंध होंगे। धार्मिक कार्यों में आप बढ़–चढ़ कर हिस्सा लेंगे, आपके शत्रु पराजित होंगे। इस वर्ष आप कोई नया वाहन खरीद सकते हैं। लाल किताब के अनुसार, दयालुता और सेवा भावना इस वर्ष आपका ध्येय होना चाहिए।

वर्षफल में सूर्य का उपाय

सूर्य के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– मुत में कोई वस्तु ना लें।
2– दूसरों के धन पर बुरी नजर ना रखें।
3– धार्मिक स्थान में बादाम, नारियल और सरसों का तेल दान करें।

चन्द्रमा ग्यारहवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में चन्द्रमा शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में चंद्रमा शुभ स्थिति में ग्यारहवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपको किसी स्त्री के सहयोग से विशेष लाभ होगा। आप मनोरंजन और आराम के साधनों का क्रय कर सकते हैं। कृषि संबंधित कार्यों से आपको लाभ हो सकता है। आध्यात्मिकता की तरफ आपका झुकाव हो सकता है। समाज में आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कन्या संतान की तरफ से आपको शुभ समाचारों की प्राप्ति हो सकती है।

वर्षफल में चन्द्रमा का उपाय

चन्द्रमा के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– दिन में कोई भी दान ना करें।
2– शुक्रवार के दिन विवाह समारोह में ना जायें।
3– 121 पेड़े जल में प्रवाहित करें।

4– दूध का दान करें।

मंगल दूसरे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में मंगल शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में मंगल दूसरे भाव में शुभ स्थिति में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, नई व्यापारिक योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए यह वर्ष उत्तम फलदायक है। संतान पक्ष से आपको खुशियां प्राप्त होंगी। इस वर्ष आप हर प्रकार से सुखी रहेंगे। इस वर्ष आप बहुत महत्वपूर्ण फैसले लेंगे और उन पर कायम भी रहेंगे। आपके पारिवारिक सदस्य आपकी हर संभव सहायता करेंगे।

वर्षफल में मंगल का उपाय

मंगल के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– घर में मृगछाला रखें।
2– चांदी की अंगुठी पहनें।
3– अपने भाई बहनों से मनमुटाव ना करें।
4– अपनी जेब में लाल रूमाल रखें।
5– घर में आए मेहमानों की खातिरदारी करें।
6– मीठे भोजन का सेवन करें।

बुध दूसरे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में बुध शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में बुध शुभ स्थिति में दूसरे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपके प्रकाशन और दलाली इत्यादि के कार्यों में इस वर्ष उल्लेखनीय प्रगति होगी। व्यावसायिक सफलता के लिए यह वर्ष उत्तम होगा। इस वर्ष आप शिक्षा के क्षेत्र में सक्रिय रहेंगे। पिता और दादा से आपको आर्थिक लाभ हो सकता है। वाद–विवाद में आप अपनी राय बार–बार बदल सकते हैं। आपको इस वर्ष सफलता के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी।

वर्षफल में बुध का उपाय

बुध के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– चावल और दूध किसी धार्मिक स्थान पर दान करें।
2– तोता ना पालें।
3– नाक छिदवायें और 96 घंटे तक को उसको कायम रखें।

4– हरे रंग का प्रयोग बिल्कुल ना करें।

5– दो किलो मसूर की दाल किसी धार्मिक स्थान में दान करें।

बृहस्पति तीसरे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में बृहस्पति अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में बृहस्पति शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर तीसरे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपको धार्मिक कार्यों में बढ़–चढ़ कर हिस्सा लेना चाहिए, जिससे बृहस्पति के अशुभ प्रभाव में कमी आएगी। आपको गलत तरीके से धन प्राप्ति से बचना चाहिए। आपको पीपल के पेड़ को नहीं काटना चाहिए, अन्यथा आपकी संतान पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है।

वर्षफल में बृहस्पति का उपाय

बृहस्पति के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– दुर्गा पूजा करें।

2– हल्दी या केसर का तिलक करें।

3– पीपल के पेड़ की सेवा करें।

4– धार्मिक कार्यों में बढ़–चढ़ कर हिस्सा लें।

शुक्र दसवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में शुक्र शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में शुक्र शुभ स्थिति में दसवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, यदि आप विवाहित हैं, तो दाम्पत्य जीवन सर्वदा खुशहाल रहेगा। आपको अपने जीवनसाथी का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा और उनका स्वास्थ्य भी उत्तम होगा। यदि आप अविवाहित हैं, तो इस वर्ष विवाह का योग बन रहा है। आपकी जीवनसाथी आपसे अधिक धनी परिवार से होंगी। सौन्दर्य प्रसाधन और सोने–चांदी के व्यापार से आपको काफी आमदनी होगी। आपके मन में लालच की भावना भी प्रबल हो सकती है।

वर्षफल में शुक्र का उपाय

शुक्र के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– आपकी पत्नी को अपने गुप्तांगों को दही से धोना चाहिए।

2– कपिला गाय का दान करना चाहिए।

3– अपना चाल–चलन ठीक रखना चाहिए।

4– शराब, मांस और मछली का सेवन ना करें।

शनि आठवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में शनि अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में शनि शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर आठवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपको सट्टे, लॉटरी, शेयर इत्यादि में पैसा नहीं लगाना चाहिए। इस वर्ष आपके मकान में तोड़–फोड़ हो सकती है। बहुत सारी कठिनाईयों का सामना करना पड़ सकता है।

वर्षफल में शनि का उपाय

शनि के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– नंगे पैर ना नहायें।
2– अपने नाम पर इस वर्ष कोई मकान ना खरीदें।
3– चांदी का चौकोर टुकड़ा अपने पास रखें।
4– आठ किलो काले उड़द की दाल जल में प्रवाहित करें।

राहु दूसरे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में राहु शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में राहु शुभ स्थिति में दूसरे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपकी आर्थिक स्थिति में उतार–चढ़ाव आएंगे। ननिहाल अथवा ससुराल से धन लाभ हो सकता है। कोई भी वस्तु खरीदने से पहले उसकी जांच–पड़ताल ठीक तरीके से करें। दान या मुत में किसी से कोई वस्तु ना लें।

वर्षफल में राहु का उपाय

राहु के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– गले में चांदी की गोली धारण करें।
2– किसी धार्मिक स्थान में ना रहें।
3– केसर या हल्दी का सेवन करें।

केतु बारहवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में केतु अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में केतु शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर बारहवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, यदि आप अपने व्यापार में सही फैसले नहीं लेंगे, तो ऋण लेने की संभावना बन जाएगी और आपको इसके लिए जायदाद गिरवी रखनी पड़ सकती है। आपको इस वर्ष लड़ाई–झगड़ों से सर्वथा बचना चाहिए, अन्यथा आपकी प्रगति में बाधा आएगी। आपको कुत्तों से सावधान और सचेत रहने की जरूरत है। आपको अपनी संतान के लिए चिन्ता हो सकती है।

वर्षफल में केतु का उपाय

केतु के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– दूध में अंगूठा डालकर चूसें।
2– अपनी बहन और बहनोई की सेवा करें।
3– अपना चाल–चलन ठीक रखें और दूसरों को धोखा ना दें।

लाल किताब वर्षफल

11:12:2018--10:12:2019

वर्षफल कुण्डली (45)

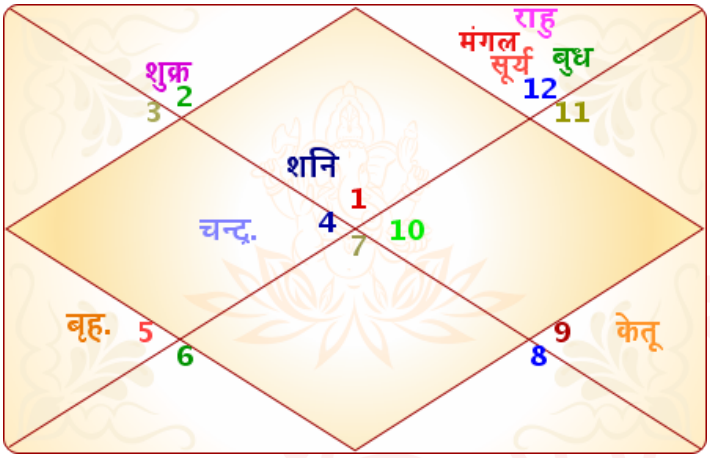

लग्न कुण्डली

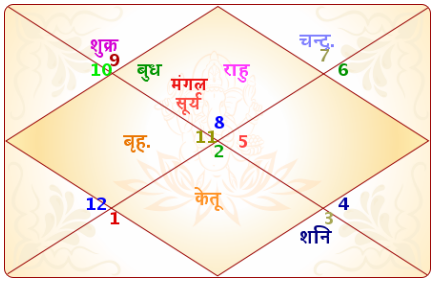

चन्द्र कुण्डली (लाल किताब)

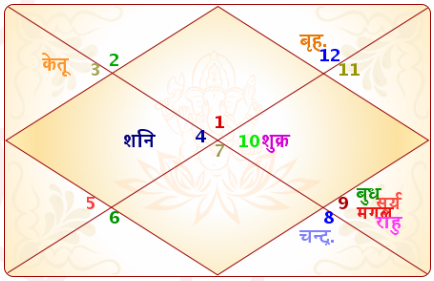

लाल किताब वर्षफल में ग्रहों की स्थिति

ग्रह	भाव	भावेश	प्रभाव	पक्का घर	भाग्यशाली	साथी ग्रह	कायम	धर्मी	सोया	विशेष
सूर्य	12	5	राशि						हाँ	शुभ भाव
चन्द्रमा	4	4	ग्रह	हाँ	हाँ		हाँ			शुभ भाव
मंगल	12	1, 8	राशि						हाँ	शुभ भाव
बुध	12	3, 6	ग्रह						हाँ	अशुभ भाव
बृहस्पति	5	9, 12	ग्रह	हाँ			हाँ			शुभ भाव
शुक्र	2	2, 7	ग्रह				हाँ		हाँ	शुभ भाव
शनि	1	10, 11	ग्रह						हाँ	अशुभ भाव
राहु	12		ग्रह	हाँ						अशुभ भाव
केतु	9		ग्रह				हाँ		हाँ	शुभ भाव

लाल किताब वर्षफल में भावों की स्थिति

भाव	भावस्थ ग्रह	मालिक	पक्का घर	सोया	उच्च	नीच	भाग्य उत्प्रेरक
1	शनि	मंगल	सूर्य		सूर्य	शनि	मंगल
2	शुक	शुक	बृहस्पति		चन्द्रमा		चन्द्रमा
3		बुध	मंगल	हाँ	राहु	केतु	बुध
4	चन्द्रमा	चन्द्रमा	चन्द्रमा		बृहस्पति	मंगल	चन्द्रमा
5	बृहस्पति	सूर्य	बृहस्पति				सूर्य
6		बुध	बुध,केतु		बुध,राहु	शुक,केतु	केतु
7		शुक	शुक,बुध		शनि		शुक
8		मंगल	मंगल,शनि	हाँ		चन्द्रमा	चन्द्रमा
9	केतु	बृहस्पति	बृहस्पति		केतु	राहु	शनि
10		शनि	शनि		मंगल	बृहस्पति	शनि
11		शनि	शनि	हाँ			बृहस्पति
12	सूर्य, मंगल, बुध, राहु	बृहस्पति	बृहस्पति		शुक,केतु	बुध,राहु	राहु

लाल किताब वर्षफल – 45

सूर्य बारहवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में सूर्य शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में सूर्य शुभ स्थिति में बारहवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपके शत्रुओं की शक्ति क्षीण हो जाएगी एवं आय के कम से कम दो नए स्रोत आपको प्राप्त होंगे। अपने अधिकारियों और मित्रों का आपको सहयोग प्राप्त होगा। विदेशी संबंधों से लाभ होगा। अस्पताल या जल संबंधी कार्यों में आपको प्रचूर मात्रा में धन प्राप्त होगा। नौकरी/कारोबार में उन्नति होगी।

वर्षफल में सूर्य का उपाय

सूर्य के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– किसी से भी बिजली के सामान मुत में ना लें।
2– मांस–मदिरा का सेवन ना करें।
3– अपने शत्रुओं को भी माफ करें।
4– भूरी चीटियों को तीनचौली डालें।

चन्द्रमा चौथे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में चन्द्रमा शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में चंद्रमा शुभ स्थिति में चौथे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपको अपने भाई–बन्धुओं से सहयोग और सहायता प्राप्त होगी। आर्थिक स्थिति के लिए भी यह वर्ष आपके लिए भाग्यशाली सिद्ध होगा। आप नए वाहन खरीद सकते हैं। कपड़े और जल से सम्बन्धित वस्तुओं का व्यापार आपके लिए भाग्यशाली सिद्ध होगा। समुद्री यात्राओं का भी इस वर्ष योग है, जिससे आपको लाभ होगा।

वर्षफल में चन्द्रमा का उपाय

चन्द्रमा के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– अपनी माता को अपनी कमाई में से हिस्सा दें।
2– इस वर्ष कोई भी कार्य शुरू करने से पहले अपने घर में दूध से भरा मिट्टी का घड़ा रखें। दूध और दूध से बनी हुई वस्तुओं का व्यापार ना करें।
3– बुजुर्ग औरतों का आशीर्वाद लें।

4– दूध ना जलायें।

5– दान–पुण्य करते रहें।

मंगल बारहवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में मंगल अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में मंगल शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर बारहवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, परिवार के किसी सदस्य का स्वास्थ्य इस वर्ष आपके लिए चिन्ता का विषय हो सकता है। दवाइयों इत्यादि पर भी आपको अनावश्यक व्यय करने की आवश्यकता पड़ सकती है। आपको अपने गुस्से पर काबू रखने की आवश्यकता होगी। गृहस्थ जीवन भी अधिक सुखमय नहीं हो सकता है।

वर्षफल में मंगल का उपाय

मंगल के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– मीठी रोटी का सेवन करें और कुत्तों को भी खिलायें।

2– धर्मस्थान में बताशें दान करें।

3– सुबह शहद का सेवन करें।

4– सिर को लाल कपड़े से ढक कर रखें।

बुध बारहवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में बुध शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में बुध शुभ स्थिति में बारहवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आप अपने पुरुषार्थ से अपनी आर्थिक और पारिवारिक स्थिति पर नियंत्रण रखेंगे। यदि आपकी बहन, बुआ और बेटी अपने पारिवारिक स्थिति से परेशान होकर आपके पास आयें, तो उन्हें आपको समझाना चाहिए कि वो अपने परिवार के साथ मिलकर रहें। आपको पैतृक सम्पत्ति भी प्राप्त हो सकती है। आध्यात्म और ज्योतिष संबंधी विषयों में आपको इस वर्ष विशेष रूचि होगी। आपको कोई बात काफी सोच–समझ कर बोलना चाहिए।

वर्षफल में बुध का उपाय

बुध के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– केसर का तिलक लगायें।

2– मिट्टी का घड़ा बहते हुए पानी में बहायें।

3– गुस्सा ना करें और अशुद्ध भाषा का प्रयोग ना करें।

4– बायें हाथ की बीच वाली अंगुली में स्टील का बिना जोड़ का छल्ला पहनें।

बृहस्पति पाचवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में बृहस्पति अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में बृहस्पति शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर पांचवें भाव में बैठा हुआ है। आपको अपने गुरुओं और साधु–संतों से मधुर व्यवहार करने की आवश्यकता होगी तथा मांस–मदिरा का सेवन करने से भी आपको बचना चाहिए, अन्यथा आपकी संतान को नुकसान हो सकता है। आपको आलस्य की आदत छोड़नी होगी, अन्यथा महत्वूपर्ण कार्यों में अनावश्यक विलम्ब हो सकता है। आपके ननिहाल में भी इस वर्ष अधिक शुभ स्थिति नहीं सकती है। आपको समुद्र, नदी या गहरे तालाबों में नहाने से बचना चाहिए।

वर्षफल में बृहस्पति का उपाय

बृहस्पति के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– अपने घर के आस–पास के धार्मिक स्थान की साफ–सफाई करें।
2– साधु–संतों की सेवा करें।
3– गहरे पानी से बचें।

शुक्र दूसरे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में शुक्र अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में शुक्र शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर दूसरे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपके गृहस्थ सुख में कमी आ सकती है। जीवनसाथी का स्वास्थ्य आपके लिए चिन्ता का विषय हो सकता है। पुत्र प्राप्ति के मार्ग में बाधायें आ सकती हैं और आप किसी दूसरी स्त्री के साथ रहना शुरू कर सकते हैं। इस वर्ष आप पशु–पक्षियों से भी घृणा कर सकते हैं, जो कि आपके लिए उत्तम नहीं होगा। अपने जीवनसाथी से आप मधुर संबंध बना कर रखें।

वर्षफल में शुक्र का उपाय

शुक्र के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– आलू और दही का दान करें।
2– जानवरों से घृणा ना करें।
3– कपिला गाय की सेवा करें।

शनि पहले भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में शनि अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में शनि शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर पहले भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, अपने खास मित्रों से आपका मनमुटाव हो सकता है। यदि आप अपना चाल–चलन ठीक नहीं रखेंगे, तो नौकरी/कारोबार में रूकावट या कई प्रकार की बाधाओं की संभावना हो सकती है। आपके स्वास्थ्य पर भी इस वर्ष बुरा प्रभाव पड़ सकता है। आप विशेषतः पेट की गड़बड़ी से परेशान हो सकते हैं। शिक्षा अथवा शिक्षा से संबंधी कार्यों में भी बाधायें आने की संभावना है। आपके जीवनसाथी का स्वास्थ्य भी आपके लिए चिन्ता का विषय हो सकता है।

वर्षफल में शनि का उपाय

शनि के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– अपने घर में किसी के जन्मदिन पर संगीतमय आयोजन ना करें।
2– बरगद के पेड़ की जड़ में मीठा दूध डालकर उसकी गिली मिट्टी का तिलक करें।
3– मांस–मदिरा से दूर रहें।
4– काला सूरमा जमीन में दबायें।

राहु बारहवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में राहु शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में राहु शुभ स्थिति में बारहवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, यह वर्ष आर्थिक दृष्टि से आपके और आपके ससुराल पक्ष के लोगों के लिए उत्तम होगा। उत्तर दिशा में आजीविका और सौभाग्य वृद्धि के लिए जाना श्रेष्ठ होगा। इस वर्ष आप धार्मिक कार्यों पर अपना धन खर्च करेंगे। यदि आपके उपर कोई कर्ज है, तो वो भी चुकता हो जाएगा। मानसिक स्थिति भी श्रेष्ठ होगी।

वर्षफल में राहु का उपाय

राहु के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– गले में चांदी का चौकोर टुकड़ा धारण करें।
2– अपने रसोई घर में बैठकर खाना खायें।
3– शुद्ध चांदी का हाथी अपने घर में स्थापित करें।
4– घर के आखिरी में अंधेरी कोठरी ना बनवायें।

केतु नौवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में केतु अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में केतु शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर नौवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष की हुई यात्रा अधिक लाभदायक नहीं होगी। यदि आप अपना चाल–चलन ठीक नहीं रखेंगे, तो संतान को कष्ट हो सकता है। आपका किसी दूरस्थ स्थान पर स्थानान्तरण हो सकता है और यदि पदोन्नति की संभावना बन रही है, तो किसी कारणवश उसमें बाधा आ सकती है। जायदाद के मामले में भी आपकी चिन्ता बनी रहेगी।

वर्षफल में केतु का उपाय

केतु के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– कानों में सोना पहनें।
2– सोने की ईंट (21 ग्राम) अपने घर में रखें।
3– गलत लोगों की संगत में ना रहें।
4– कुत्तों को ना सतायें।

लाल किताब वर्षफल

11:12:2019--10:12:2020

वर्षफल कुण्डली (46)

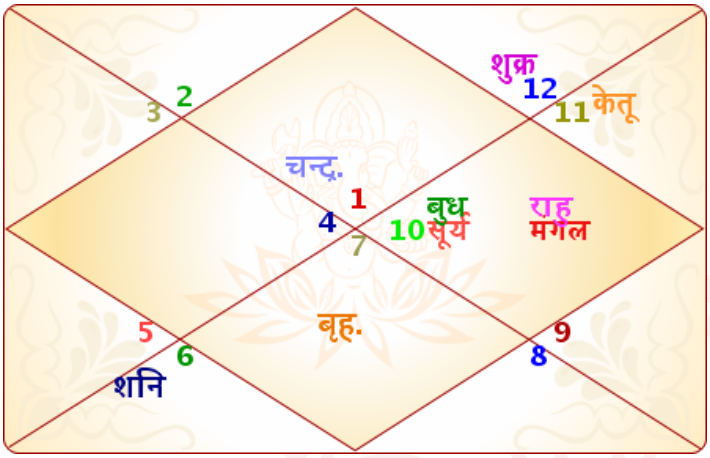

लग्न कुण्डली

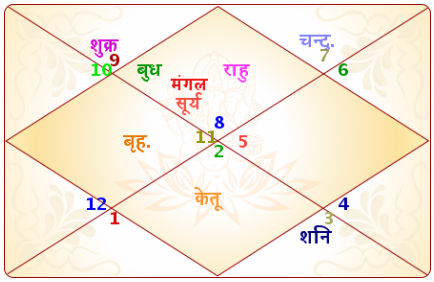

चन्द्र कुण्डली (लाल किताब)

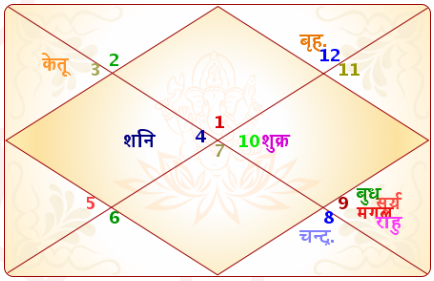

लाल किताब वर्षफल में ग्रहों की स्थिति

ग्रह	भाव	भावेश	प्रभाव	पक्का घर	भाग्यशाली	साथी ग्रह	कायम	धर्मी	सोया	विशेष
सूर्य	10	5	राशि						हाँ	अशुभ भाव
चन्द्रमा	1	4	राशि				हाँ			शुभ भाव
मंगल	10	1, 8	ग्रह						हाँ	शुभ भाव
बुध	10	3, 6	ग्रह						हाँ	अशुभ भाव
बृहस्पति	7	9, 12	राशि						हाँ	अशुभ भाव
शुक्र	12	2, 7	ग्रह				हाँ		हाँ	शुभ भाव
शनि	6	10, 11	राशि							अशुभ भाव
राहु	10		ग्रह						हाँ	अशुभ भाव
केतु	11		राशि						हाँ	अशुभ भाव

लाल किताब वर्षफल में भावों की स्थिति

भाव	भावस्थ ग्रह	मालिक	पक्का घर	सोया	उच्च	नीच	भाग्य उत्प्रेरक
1	चन्द्रमा	मंगल	सूर्य		सूर्य	शनि	मंगल
2		शुक्र	बृहस्पति		चन्द्रमा		चन्द्रमा
3		बुध	मंगल	हाँ	राहु	केतु	बुध
4		चन्द्रमा	चन्द्रमा	हाँ	बृहस्पति	मंगल	चन्द्रमा
5		सूर्य	बृहस्पति	हाँ			सूर्य
6	शनि	बुध	बुध,केतु		बुध,राहु	शुक्र,केतु	केतु
7	बृहस्पति	शुक्र	शुक्र,बुध		शनि		शुक्र
8		मंगल	मंगल,शनि	हाँ		चन्द्रमा	चन्द्रमा
9		बृहस्पति	बृहस्पति	हाँ	केतु	राहु	शनि
10	सूर्य, मंगल, बुध, राहु	शनि	शनि		मंगल	बृहस्पति	शनि
11	केतु	शनि	शनि				बृहस्पति
12	शुक्र	बृहस्पति	बृहस्पति		शुक्र,केतु	बुध,राहु	राहु

लाल किताब वर्षफल – 46

सूर्य दसवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में सूर्य अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में सूर्य शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर दसवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपका भाग्य ठीक नहीं होगा। आपके शत्रु आपको हानि पहुंचा सकते हैं। अपने पिता से आपका मतभेद हो सकता है एवं पिता के सुख में कमी भी आ सकती है। मशीनरी, तेल, लोहा और लकड़ी इत्यादि के व्यवसाय में आपको घाटा उठाना पड़ सकता है। आपका स्वभाव वहमी हो सकता है और आप अकारण ही क्रोधित हो सकते हैं।

वर्षफल में सूर्य का उपाय

सूर्य के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– 43 दिन ताँबे के पैसे जल में प्रवाहित करें।
2– मांस–मछली और मदिरा का सेवन ना करें।
3– अपना सिर सफेद कपड़ों से ढक कर रखें।
4– भूरी भैंस की सेवा करें।

चन्द्रमा पहले भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में चन्द्रमा अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में चंद्रमा शत्रु ग्रहों के साथ युक्त या दृष्ट होकर पहले भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आलस्य और कामचोरी की वजह से आपके कार्य पूर्ण होने में बाधायें आ सकती हैं। आपके मन में निराशा और अवसाद की भावना पैदा हो सकती है। अपने अधीनस्थ महिला कर्मचारियों के साथ आपके अनैतिक संबंध स्थापित हो सकते हैं। पत्नी या माता का स्वास्थ्य चिन्तनीय हो सकता है। पूरे वर्ष आप सर्दी–जुकाम से पेरशान रह सकते हैं। जमीन–जायदाद सम्बन्धी विवादों से भी आपको परेशानी हो सकती है।

वर्षफल में चन्द्रमा का उपाय

चन्द्रमा के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– दूध और दूध से बनी वस्तुओं का व्यापार ना करें।
2– अपनी माता की सेवा करें।

3– चांदी के बर्तन का उपयोग करें।

4– नदी पार करते समय उसमें पैसा बहाएं।

मंगल दसवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में मंगल शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में मंगल शुभ स्थिति में दसवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष समाज में आपके मान–सम्मान में वृद्धि होगी। आर्थिक दृष्टि से भी यह वर्ष उत्तम है। इस वर्ष आपके मन में परोपकार की भावना भी अधिक होगी।

वर्षफल में मंगल का उपाय

मंगल के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– हिरण पालें।

2– निःसंतान व्यक्ति की सेवा करें।

3– दूध उबल कर चूल्हे पर ना गिरनें दें।

बुध दसवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में बुध शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में बुध शुभ स्थिति में दसवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपको किसी विदेशी स्रोत से लाभ प्राप्त होगा। आपके नौकरी/व्यापार में अड़चनें आयेंगी, परन्तु आप अपनी मेहनत से उन अड़चनों पर विजय प्राप्त करेंगे। आपकी बहन, बुआ अथवा बेटी की तरफ से भी इस वर्ष आपको शुभ समाचार प्राप्त होंगे। इस वर्ष आपको आध्यात्म और ज्योतिष संबंधी विषयों में भी रूचि होगी।

वर्षफल में बुध का उपाय

बुध के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– अपने घर में तुलसी, मनीप्लांट इत्यादि चौड़े पत्तों वाले पौधे नहीं लगायें।

2– मांस–मदिरा इत्यादि के सेवन से बचें।

3– सूखा नारियल मंदिर में चढ़ायें।

4– बचा हुआ भोजन मछलियों को खिलायें।

5– मजदूरों की सेवा एवं सहायता करें।

बृहस्पति सातवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में बृहस्पति शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में बृहस्पति शुभ स्थिति में सातवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपके जीवन में कई सारे शुभ बदलाव दृष्टिगोचर होंगे। यदि आपका विवाह नहीं हुआ है, तो विवाह का प्रबल योग है। यदि आपका विवाह हो चुका है, तो आपके ससुराल से धन की प्राप्ति हो सकती है। यदि आप साझेदारी में व्यापार कर रहे हैं, तो आपको विशेष लाभ प्राप्त होगा। आपको ज्योतिष जैसे विषयों में विशेष रूचि हो सकती है। धार्मिक क्रिया–कलापों में आप सक्रिय होंगे।

वर्षफल में बृहस्पति का उपाय

बृहस्पति के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– अपने घर के मंदिर में मुर्तियों की पूजा बिल्कुल ना करें। चित्रों की पूजा कर सकते हैं।
2– साधु–संतों की संगति ना करें।
3– अपना चाल–चलन ठीक रखें।
4– पीले कपड़े में सोना बांधकर अपने पास रखें।

शुक्र बारहवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में शुक्र अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में शुक्र शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर बारहवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपको अपना चाल–चलन ठीक रखना चाहिए और परस्त्रीगमन से बिल्कुल ही बचना होगा, अन्यथा आपके जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर बहुत ही बुरा असर होगा। आपके जीवनसाथी के गिरते स्वास्थ्य की वजह से दाम्पत्य जीवन में कड़वाहट आ सकती है। आपका कोई मित्र या संबंधी आपके बारे में गलत अफवाहें फैला सकता है। इस वर्ष आपको धार्मिक कार्यों में भी रूचि नहीं होगी।

वर्षफल में शुक्र का उपाय

शुक्र के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– नीले रंग का फूल अपनी पत्नी के हाथों जमीन में दबवायें।
2– अपना चाल–चलन ठीक रखें।
3– अपनी पत्नी की देखभाल करें।
4– घी के दिये जलायें।
5– बछड़े सहित गाय का दान करें।

शनि छठे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में शनि अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में शनि शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर छठें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस पूर्णिमा के दिन किसी भी शुभ कार्य की शुरूआत ना करें। आपके अहंकार में वृद्धि होगी, जिससे आपके नजदीकी व्यक्तियों से आपका संबंध बिगड़ सकता है। आपको चमड़े की कोई भी वस्तु दान या मुत में नहीं लेनी चाहिए। आपके परिवार में किसी व्यक्ति को किडनी से संबंधित रोग होने की भी संभावना है। न्यायालय में विचाराधीन मामलों में आपका पक्ष कमजोर हो सकता है। आकस्मिक चोट लगने की भी संभावना है।

वर्षफल में शनि का उपाय

शनि के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– मिट्टी के किसी बर्तन में सरसों का तेल रखकर विराने में दबायें।
2– चमड़े से बनी वस्तुओं का क्रय–विक्रय ना करें।
3– काला कुत्ता पालें।
4– 6 नारियल बहते हुए पानी में बहायें।
5– लोहे की वस्तुएं ना खरीदें।
6– अपना जूता चोरी ना होने दें।

राहु दसवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में राहु शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में राहु शुभ स्थिति में दसवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपके मान–सम्मान में वृद्धि होगी। राजनैतिक क्षेत्र में सफलता मिलेगी। यदि आप सरकारी नौकरी में हैं, तो आपकी पदोन्नति हो सकती है।

वर्षफल में राहु का उपाय

राहु के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– अपने सिर को ढक कर रखें।
2– अपने अधिकारियों से मधुर संबंध रखें।
3– सफेद या शरबती रंग की टोपी या पगड़ी का इस्तेमाल करें।
4– अंधों को मीठा भोजन करायें।
5– 4 किलो गुड़/खाण्ड मंगलवार को जल में प्रवाहित करें।

केतु ग्यारहवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में केतु अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में केतु शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर ग्यारहवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपके घर आने वाले अतिथियों की संख्या अधिक होगी, जिसकी वजह से आप पर आर्थिक बोझ बढ़ सकता है। यदि आप कोई शुभ कार्य करने जा रहे हैं, तो अपने पीछे मुड़कर ना देखें। अपनी संतान की ठीक तरह से देखभाल करें। अपना बीता हुआ कल दूसरों को ना सुनायें।क्रद्र~ह्मे"्र द्रद्र" ॰र्द्रि ह्मत्तज्ञद्र ह्म॰ श्द्र१ प्रऽद्दद्र ऽ् ज्ञत्तह्नद्र~ए ह्र "बद्र ज्ञद्रऽ् १द्र~ ज्ञद्रत् "द्र१ ज्ञप्रद्दप्र७द्रक्रद्े ऽॾ ह्रूक्रद्र ज्ञप्र८द्रऽ ह्मद्रॉद्रध्ए प्रप्रह्नऽॾ "प्रह्म ह् ज्ञद्र ~ ज्ञद्रप्र७द्रऽ द्•द्र र्ि ह्रऽद्दद्र ह्म॰ क्रप्र(ज्ञद्र ऽद्् ङद्रत्त्क्रद्र ऽद्रक्र ऽ~त् प्रद्र ~ह्म् ह्मे॰ द्दद्र् ज्ञत् ध्} त्तर्फ्ि त (द्रि ज्ञत्त्ॾ ह्रेद्दद्रत्त ऽॾ र्ध्ि द~ह्म ह् (द्रद्रद्र१ ऽ्~ ज्ञत्त्द्र ध्द्दद्र ह्मत्तज्ञद्र ऽ१ (०ह्र~द्रे् ऽद्र् त ह्रत्तत्त्द्रक्रे्

वर्षफल में केतु का उपाय

केतु के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– आपकी पत्नी को चाहिए कि रात में अपने सिरहाने मूली रखकर सोयें और सुबह में उसे किसी धर्म स्थान में दान करें।

2– काला कुत्ता पालें।

3– ससुराल से काला–सफेद चकला (रोटी बनाने के प्रयोग में आने वाला उपकरण) मंगा कर घर में रखें।

लाल किताब वर्षफल

11:12:2020--10:12:2021

वर्षफल कुण्डली (47)

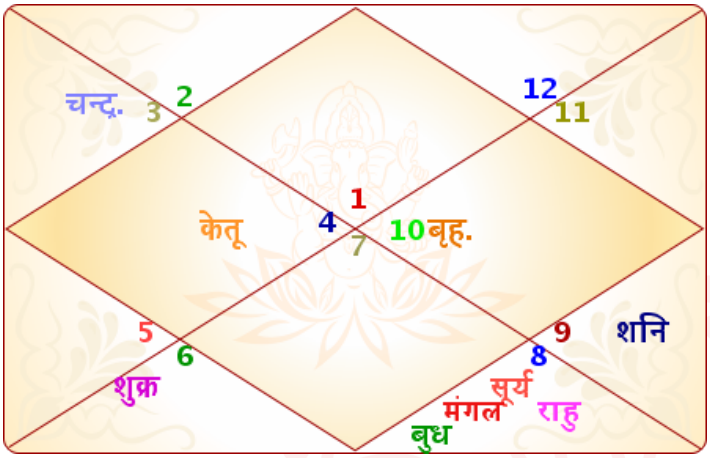

लग्न कुण्डली

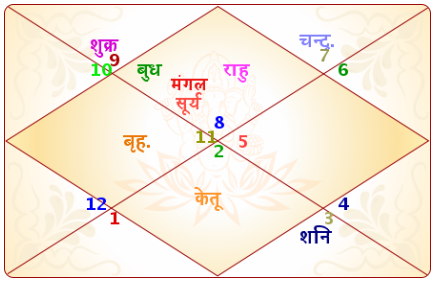

चन्द्र कुण्डली (लाल किताब)

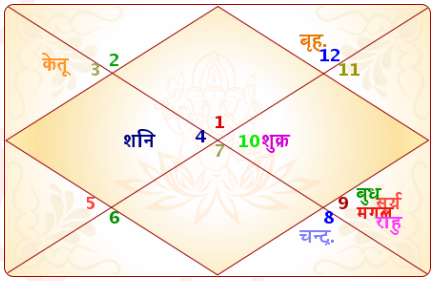

लाल किताब वर्षफल में ग्रहों की स्थिति

ग्रह	भाव	भावेश	प्रभाव	पक्का घर	भाग्यशाली	साथी ग्रह	कायम	धर्मी	सोया	विशेष
सूर्य	8	5	राशि						हाँ	शुभ भाव
चन्द्रमा	3	4	राशि				हाँ			शुभ भाव
मंगल	8	1, 8	ग्रह	हाँ						अशुभ भाव
बुध	8	3, 6	राशि						हाँ	अशुभ भाव
बृहस्पति	10	9, 12	ग्रह			शनि			हाँ	अशुभ भाव
शुक्र	6	2, 7	ग्रह						हाँ	अशुभ भाव
शनि	9	10, 11	ग्रह			बृहस्पति			हाँ	शुभ भाव
राहु	8		राशि						हाँ	अशुभ भाव
केतु	4		राशि				हाँ	हाँ		

लाल किताब वर्षफल में भावों की स्थिति

भाव	भावस्थ ग्रह	मालिक	पक्का घर	सोया	उच्च	नीच	भाग्य उत्प्रेरक
1		मंगल	सूर्य	हाँ	सूर्य	शनि	मंगल
2		शुक्र	बृहस्पति		चन्द्रमा		चन्द्रमा
3	चन्द्रमा	बुध	मंगल		राहु	केतु	बुध
4	केतु	चन्द्रमा	चन्द्रमा		बृहस्पति	मंगल	चन्द्रमा
5		सूर्य	बृहस्पति	हाँ			सूर्य
6	शुक्र	बुध	बुध,केतु		बुध,राहु	शुक्र,केतु	केतु
7		शुक्र	शुक्र,बुध	हाँ	शनि		शुक्र
8	सूर्य, मंगल, बुध, राहु	मंगल	मंगल,शनि			चन्द्रमा	चन्द्रमा
9	शनि	बृहस्पति	बृहस्पति		केतु	राहु	शनि
10	बृहस्पति	शनि	शनि		मंगल	बृहस्पति	शनि
11		शनि	शनि				बृहस्पति
12		बृहस्पति	बृहस्पति		शुक्र,केतु	बुध,राहु	राहु

लाल किताब वर्षफल – 47

सूर्य आठवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में सूर्य अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में सूर्य शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर आठवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आप हृदय और नेत्र संबन्धित रोगों से परेशान हो सकते हैं। मशीनरी संबंधित व्यवसाय में घाटा हो सकता है। स्त्रियों से आपके संबंध बिगड़ सकते हैं।

वर्षफल में सूर्य का उपाय

सूर्य के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– मांस मछली का सेवन न करें।
2– बहते हुए पानी में गुड़ बहायें।
3– अपना चाल–चलन ठीक रखें।
4– बड़े भाई की सेवा करें।
5– बुरे कार्य करने से बचें।
6– गाय की सेवा करें।

चन्द्रमा तीसरे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में चन्द्रमा अशुभ स्थिति में है।

आपकी कुण्डली में चंद्रमा शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर तीसरे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, आपको कई तरह की मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आपको नेत्र संबंधित रोग हो सकते हैं। आप बिना उद्देश्य के इधर–उधर भटक सकते हैं। व्यावसायिक यात्राओं से आपको लाभ नहीं हो सकता है। अपने भाईयों से आपके सम्बन्ध बिगड़ सकते हैं।

वर्षफल में चन्द्रमा का उपाय

चन्द्रमा के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– खाने–पीने के लिए चांदी के बर्तनों का प्रयोग करें।
2– दुर्गा पूजन करवाएं।
3– अपनी कन्या संतान के पैसे का उपयोग ना करें।

मंगल आठवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में मंगल अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में मंगल शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर आठवें भाव में स्थित है। लाल किताब के अनुसार, आपको वाहन चलाते समय विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। इस वर्ष कोई भी लेन–देन आपको सोच–समझ कर करना चाहिए। इस वर्ष आपको किसी विधवा स्त्री के साथ विवाद से बचना चाहिए। इस वर्ष आपके छोटे भाइयों को कई सारी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

वर्षफल में मंगल का उपाय

मंगल के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– अपने रसोई घर में बैठ कर भोजन ग्रहण करें।
2– अपने पास चांदी का चौकोर टुकड़ा रखें।
3– मिट्टी के बर्तन में गुड़ भरकर विराने में दबायें।
4– तंदूर में मीठी रोटियां पकाकर कुत्तों को खिलायें।
5– अपने जन्मस्थान से दूर ना रहें।
6– तोता या मैना अपने घर में ना पालें।

बुध आठवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में बुध अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में बुध शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर आठवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपके शत्रु आप पर हावी हो सकते हैं। आपका पारिवारिक जीवन भी ज्यादा सुखमय नहीं हो सकता है। इस वर्ष आपको विपरीत लिंग के व्यक्तियों से संबंध बनाने से बचना चाहिए, अन्यथा आपका पारिवारिक जीवन अशांत हो सकता है।

वर्षफल में बुध का उपाय

बुध के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– अपने घर की छत पर बारिश का पानी रखें।
2– नितम्ब पर काला सुरमा लगायें।
3– घर के पूजास्थान को ना बदलें।
4– कुल्हड़ में शहद भरकर विराने में दबायें।
5– ताँबे के बर्तन में हरी मूंग भरकर जल में प्रवाहित करें।

बृहस्पति दसवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में बृहस्पति शुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में बृहस्पति शुभ स्थिति में दसवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, यह वर्ष व्यावसायिक क्षेत्र में प्रगति की ओर संकेत करता है। यदि आपका व्यवसाय शिक्षा से संबंधित है, तो यह और भी शुभ स्थिति है। आप अपने शुभ कार्यों से परिवार की मान–मर्यादा को उच्च स्तर तक ले जाएंगे। इस वर्ष आपके पिता से आपको अधिक सहयोग नहीं मिलेगा। सोने–चांदी के व्यापार से आपको काफी कमाई होगी। यदि आप सरकारी कर्मचारी हैं, तो सरकारी यात्रा का भी योग है। आप विदेश यात्रा पर भी जा सकते हैं।

वर्षफल में बृहस्पति का उपाय

बृहस्पति के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– अपनी नाक साफ रखें।
2– सोना पहनें।
3– 43 दिन तक ताँबे का पैसा बहते हुए पानी में बहायें।
4– साधु–संतों और अपने गुरूजनों की सेवा करें।

शुक्र छठे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में शुक्र अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में शुक्र शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर छठवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष अपने जीवनसाथी के साथ आपके संबंधों में कड़वाहट रह सकती है और आपके जीवनसाथी के पैरों या पैर की एड़ियों में कष्ट हो सकता है। आपके जीवनसाथी को इस वर्ष गुप्त रोग होने की भी संभावना हो सकती है। किसी स्त्री से विवाद होने के कारण आपको आर्थिक हानि भी उठानी पड़ सकती है। इस वर्ष प्रणय संबंध में किसी मित्र के द्वारा विश्वासघात की भी संभावना है।

वर्षफल में शुक्र का उपाय

शुक्र के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– अपनी पत्नी को नंगे पांव ना चलने दें।
2– स्त्रियों का आदर करें।
3– ठोस चांदी अपने पास रखें।

शनि नौवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में शनि अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में शनि शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर नौवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपको सट्टे, लॉटरी या अनुमान पर आधारित क्षेत्रों में पैसा नहीं लगाना चाहिए। लोहा, तेल, मशीनरी इत्यादि के व्यापार में आपको घाटा हो सकता है। आपको धार्मिक क्रिया–कलापों में मन लगाना चाहिए।

वर्षफल में शनि का उपाय

शनि के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– अपने घर की छत पर ईंधन ना रखें।
2– नौ दिन लगातार गंगा में स्नान करें।
3– दूसरों की अचल सम्पत्ति पर बुरी नजर ना डालें।
4– माथे पर केसर का तिलक लगायें।

राहु आठवें भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में राहु अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में राहु शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर आठवें भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपकी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं रहेगी। चोरी आदि की घटनाओं से धन हानि हो सकती है। ऋण की अधिकता से आपका मानसिक संतुलन बिगड़ सकता है। गलत लोगों की संगति आपके लिए घातक हो सकती है। आपके जन्मदिन से आठवें महीने में आपके लिए परेशानियां और भी बढ़ सकती हैं। बिजल संबंधी कार्य आपको घाटे में डाल सकते हैं।

वर्षफल में राहु का उपाय

राहु के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– चांदी का चौकोर टुकड़ा अपने पास रखें।
2– दक्षिणमुखी मकान में न रहें।
3– लकड़ी का कोयला अपने मकान में न रहने दें।
4– 43–43 बादाम किसी धार्मिक स्थान में अपने जन्मदिन से आठवें महीने के शुरू होते ही चढ़ायें और उसमें से 43 बादाम घर लाकर सफेद बटुए में रखें।

केतु चौथे भाव में

आपकी वर्षफल कुण्डली में केतु अशुभ स्थिति में है।

आपकी वर्षफल कुण्डली में केतु शत्रु ग्रहों से युक्त या दृष्ट होकर चौथे भाव में बैठा हुआ है। लाल किताब के अनुसार, इस वर्ष आपकी माता का स्वास्थ्य आपके लिए चिन्ता का विषय हो सकता है। आपको अपने खान–पान पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है, अन्यथा आपको मधुमेह संबंधी रोग होने की भी संभावना बन सकती है। इस वर्ष अपने कुल पुरोहित से अपना संबंध मधुर बनाकर रखना चाहिए। कुत्ते के काटने की भी संभावना हो सकती है, अतः आपको सावधान और सचेत रहने की आवश्यकता है।

वर्षफल में केतु का उपाय

केतु के शुभ फलों में वृद्धि और अशुभ फलों में कमी लाने के लिए आपको निम्न उपाय करना चाहिए और सावधानियाँ बरतनी चाहिए।

1– किसी धार्मिक स्थान में हल्दी, केसर या चने की दाल दान करें।

2– कुत्तों को ना मारें।

3– कुल–पुरोहित की सेवा करें।

गोचर शनि

द्वादशे जन्मगै राशौ द्वितीये च शनैश्चर। सर्धानि सप्त वर्षाणि तथा दुखैर्युतो भवेत।।

(गोचर में जब शनि ग्रह, जन्म चंद्र से बारहवें, पहले और दूसरे भाव में भ्रमण करता है, उस समय (लगभग साढ़े सात वर्ष तक) को शनि साढ़ेसाती के नाम से जाना जाता है।)

प्रथम चक्र

साढ़ेसाती चक्र	गोचर राशि में	आरम्भ का समय	समाप्ति का समय	भ्रमण काल (व—म—दि)	शनि मूर्ति
प्रथम ढ़ैय्या	कन्या	04/11/1979	15/03/1980	0.0 y.4.0 m.10 d.	स्वर्ण
प्रथम ढ़ैय्या	कन्या	27/07/1980	06/10/1982	2.0 y.2.0 m.10 d.	रजत
द्वितिय ढ़ैय्या	तुला	06/10/1982	21/12/1984	2.0 y.2.0 m.15 d.	ताम्र
द्वितिय ढ़ैय्या	तुला	01/06/1985	17/09/1985	0.0 y.3.0 m.17 d.	स्वर्ण
तृतिय ढ़ैय्या	वृश्चि.	21/12/1984	01/06/1985	0.0 y.5.0 m.10 d.	स्वर्ण
तृतिय ढ़ैय्या	वृश्चि.	17/09/1985	17/12/1987	2.0 y.3.0 m.0 d.	रजत
कंटक शनि	मक.	21/03/1990	20/06/1990	0.0 y.3.0 m.0 d.	रजत
कंटक शनि	मक.	15/12/1990	05/03/1993	2.0 y.2.0 m.19 d.	ताम्र
कंटक शनि	मक.	15/10/1993	10/11/1993	0.0 y.0.0 m.26 d.	रजत
अष्टम शनि	वृष	07/06/2000	23/07/2002	2.0 y.1.0 m.15 d.	स्वर्ण
अष्टम शनि	वृष	08/01/2003	07/04/2003	0.0 y.2.0 m.28 d.	लौह

द्वितिय चक्र

साढ़ेसाती चक्र	गोचर राशि में	आरम्भ का समय	समाप्ति का समय	भ्रमण काल (व—म—दि)	शनि मूर्ति
प्रथम ढ़ैय्या	कन्या	10/09/2009	15/11/2011	2.0 y.2.0 m.6 d.	स्वर्ण
प्रथम ढ़ैय्या	कन्या	16/05/2012	04/08/2012	0.0 y.2.0 m.19 d.	ताम्र
द्वितिय ढ़ैय्या	तुला	15/11/2011	16/05/2012	0.0 y.6.0 m.1 d.	रजत
द्वितिय ढ़ैय्या	तुला	04/08/2012	02/11/2014	2.0 y.2.0 m.29 d.	रजत
तृतिय ढ़ैय्या	वृश्चि.	02/11/2014	26/01/2017	2.0 y.2.0 m.24 d.	ताम्र
तृतिय ढ़ैय्या	वृश्चि.	21/06/2017	26/10/2017	0.0 y.4.0 m.6 d.	लौह
कंटक शनि	मक.	24/01/2020	29/04/2022	2.0 y.3.0 m.4 d.	स्वर्ण
कंटक शनि	मक.	12/07/2022	17/01/2023	0.0 y.6.0 m.7 d.	रजत
अष्टम शनि	वृष	08/08/2029	05/10/2029	0.0 y.1.0 m.28 d.	लौह
अष्टम शनि	वृष	17/04/2030	31/05/2032	2.0 y.1.0 m.14 d.	रजत

तृतिय चक्र

साढ़ेसाती चक्र	गोचर राशि में	आरम्भ का समय	समाप्ति का समय	भ्रमण काल (व—म—दि)	शनि मूर्ति
प्रथम ढ़ैय्या	कन्या	22/10/2038	05/04/2039	0.0 y.5.0 m.13 d.	ताम्र
प्रथम ढ़ैय्या	कन्या	13/07/2039	28/01/2041	1.0 y.6.0 m.17 d.	ताम्र
प्रथम ढ़ैय्या	कन्या	06/02/2041	26/09/2041	0.0 y.7.0 m.19 d.	स्वर्ण
द्वितिय ढ़ैय्या	तुला	28/01/2041	06/02/2041	0.0 y.0.0 m.9 d.	लौह
द्वितिय ढ़ैय्या	तुला	26/09/2041	11/12/2043	2.0 y.2.0 m.15 d.	रजत
द्वितिय ढ़ैय्या	तुला	23/06/2044	30/08/2044	0.0 y.2.0 m.7 d.	स्वर्ण
तृतिय ढ़ैय्या	वृश्चि.	11/12/2043	23/06/2044	0.0 y.6.0 m.12 d.	रजत
तृतिय ढ़ैय्या	वृश्चि.	30/08/2044	08/12/2046	2.0 y.3.0 m.9 d.	स्वर्ण
कंटक शनि	मक.	06/03/2049	10/07/2049	0.0 y.4.0 m.5 d.	स्वर्ण
कंटक शनि	मक.	04/12/2049	25/02/2052	2.0 y.2.0 m.22 d.	स्वर्ण
अष्टम शनि	वृष	27/05/2059	11/07/2061	2.0 y.1.0 m.15 d.	ताम्र
अष्टम शनि	वृष	13/02/2062	07/03/2062	0.0 y.0.0 m.22 d.	ताम्र

लाल किताब उपाय से संबंधित सावधानियाँ और सामान्य नियम

1– एक दिन में केवल एक ही उपाय करें।

2– सभी उपाय सूर्योदय के बाद एवं सूर्यास्त से पहले करें। जो उपाय सूर्यास्त के बाद करने के लिए लिखा गया है, केवल उसे ही सूर्यास्त के बाद करें।

3– सबसे पहले छोटे उपाय, जो एक दिन के होते हैं, उन्हें करना चाहिए।

4– लंबे चलने वाले उपाय लागातार करें।

5– मासिक धर्म के दौरान महिलायें मंदिर जाने वाले उपाय न करें, इस दौरान अपने खून से संबंधित परिवार के किसी सदस्य से उपाय करवायें।

6– जिस उपाय को किसी खास दिन शुरू करने के लिए न कहा गया हो, उस उपाय को करने के लिए किसी दिन या तिथि जैसे अमावस्या, पूर्णिया आदि का विचार न करें। एक दिन वाले उपाय चौथ, नवमी एवं चतुर्दशी को कर सकते हैं, लेकिन लंबे चलने वाले उपाय इन तिथियों को शुरू न करें।

7– कुछ उपाय सप्ताह, मास या 43 दिन लगातार करने होते हैं, इन उपायों को बाद में शुरू करें। ध्यान रखें कि ऐसे उपाय बीच में न टूटें, अन्यथा शुभ फल प्राप्त नहीं होंगे। यदि लंबे उपाय करते समय किसी कारण से उपाय बीच में बंद करना पड़े तो उस दिन उपाय करने के बाद थोड़े से चावल दूध से धोकर सफेद कपड़े में बांधकर अपने पास रख लें और जब दुबारा उपाय शुरू करना हो तो वह चावल धर्म स्थान में दे दें या बहते पानी में प्रवाहित कर दें। उसके बाद उपाय शुरू कर दें। ऐसा करने से उपाय अधूरा नहीं माना जाएगा और पूरा फल प्राप्त होगा।

8– यदि कोई उपाय जिंदगी भर के लिए करना है तो पहले उसे शुरू कर साथ––साथ एक––एक करके दूसरे उपाय करें।

9– जिस चीज/औजार से उपाय करें या जो भी सामान उपाय के लिए ले जायें, उसे वहीं छोड़ दें। लंबे चलने वाले उपाय में औजार आखिरी दिन छोड़ें।

10– जो चीज जल प्रवाह करें या धर्म स्थान में दें, उस दिन उस चीज का सेवन न करें।

11– उपाय के दिनों में शारीरिक संबंध स्थापित न करें।